संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 235
पृष्ठ 8
शुक्रवार
15 मई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- परवरिश में ना रह जाए कोई...

विचार- 2026 के विधानसभा चुनावों के...

खेल- हॉकी इंडिया का बड़ा एलान...

तेजी से बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में पुराने तरीकों पर निर्भर नहीं रह सकते- राजनाथ सिंह

नयी दिल्ली,एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर जोर देते हुए विभिन्न हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय को मजबूत करने का आह्वान किया है और कहा है कि तेजी से बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा अब पुराने तरीकों पर निर्भर नहीं रह सकती। सिंह ने गुरुवार को यहां प्रमुख रणनीतिक संवाद श्कलम और कवचश में अपने वर्चुअल संदेश में कहा कि इस मंच का नाम ही देश के भविष्य के सुरक्षा ढांचे की सशक्त दृष्टि को दर्शाता है। रक्षा मंत्री ने कहा , कलम विचारों, तर्क और आगे की सोच रखने के साहस का प्रतीक है। कवच शक्ति, सुरक्षा और राष्ट्र की रक्षा करने की क्षमता का प्रतीक है। जो देश स्पष्ट रूप से सोच सकता है और मजबूती से अपनी रक्षा कर सकता है, वही दुनिया में ऊंचा खड़ा होता है। हम ऐसे ही भारत के निर्माण की दिशा में काम कर रहे हैं। वैश्विक संघर्षों के बदलते स्वरूप पर श्री सिंह ने कहा कि दुनिया भर में रणनीतिक परिदृश्य लगातार अधिक अनिश्चित, प्रतिस्पर्धी और प्रौद्योगिकी–आधारित होता जा रहा है। उन्होंने भू–राजनीतिक तनाव, संघर्ष, साइबर खतरे, आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरी और हाइब्रिड युद्ध के उभरते स्वरूपों को देशों के सामने मौजूद प्रमुख चुनौती बताया। उन्होंने कहा, ऐसी दुनिया में राष्ट्रीय सुरक्षा पुराने आयामों पर आधारित नहीं रह सकती। इसके लिए हमारी तैयारी, लचीलापन, नवाचार और रणनीतिक आत्मविश्वास आवश्यक है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के महत्व पर जोर देते हुए श्री सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक लक्ष्य नहीं बल्कि भारत के लिए रणनीतिक आवश्यकता है। उन्होंने कहा, जो राष्ट्र महत्वपूर्ण रक्षा क्षमताओं के लिए अत्यधिक रूप से दूसरों पर निर्भर रहता है, वह संकट के समय कमजोर बना रहता है। हमें अपने राष्ट्रीय तंत्र के भीतर ही प्रमुख प्रणालियों का डिजाइन, विकास, उत्पादन, रखरखाव और उन्नयन करना होगा। इसी तरह हम अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को सुरक्षित रख पाएंगे। रक्षा मंत्री ने विभिन्न हितधारकों के बीच अधिक समन्वय की आवश्यकता पर भी बल दिया और कहा कि आधुनिक युद्ध में कई क्षेत्रों के बीच निरंतर समन्वय जरूरी है। उन्होंने कहा, आधुनिक युद्ध पारंपरिक सीमाओं का सम्मान नहीं करता। सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि हम अपनी थल, जल, वायु, साइबर और अंतरिक्ष सेनाओं को कितनी दक्षता से एक साथ ला पाते हैं। यह इस पर भी निर्भर करेगा कि हमारी प्रयोगशालाएं, उद्योग, स्टार्टअप, नीति निर्माता और सैन्य संस्थान कितनी निकटता से मिलकर काम करते हैं। रक्षा तैयारियों में तेजी से नवाचार पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि भविष्य के युद्धों में वही देश आगे रहेंगे जो विचारों को तेजी से परिचालन क्षमता में बदल सकें। उन्होंने कहा, किसी राष्ट्र की शक्ति इस बात पर अधिक निर्भर करेगी कि उसकी प्रयोगशालाएं, उद्योग और सशस्त्र सेनाएं कितनी जल्दी एकजुट होकर सोच और कार्य कर सकती हैं। भविष्य के युद्धक्षेत्र उन देशों के लिए अनुकूल होंगे जो किसी विचार, प्रोटोटाइप और परिचालन तैनाती के बीच का समय कम कर सकें। सिंह ने संयुक्तता, स्वदेशी विनिर्माण, उभरती प्रौद्योगिकियों और वैश्विक साझेदारियों पर होने वाली चर्चाओं को भारत की व्यापक रक्षा दृष्टि के परस्पर जुड़े स्तंभ बताया। उन्होंने रक्षा क्षेत्र में भारत की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि देश का रक्षा निर्यात बढ़ रहा है, निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ रही है और सशस्त्र सेनाओं का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। हालांकि, उन्होंने आत्मसंतोष से बचने की सलाह दी और हित धारकों से भारत के रक्षा तंत्र को लगातार मजबूत करते रहने का आग्रह किया। सिंह ने कहा, कलम को और अधिक साहसी विचार लिखते रहना चाहिए।

ब्रिक्स सम्मेलन में जयशंकर ने कहा-

पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है

नई दिल्ली,एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को नई दिल्ली में ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में कहा कि भारत फिलिस्तीन मुद्दे पर दो–राज्य समाधान का समर्थन करता है, साथ ही उन्होंने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर चिंता व्यक्त की। जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि 28 फरवरी से खाड़ी क्षेत्र में जारी तनाव, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने के कारण समुद्री यातायात और ऊर्जा अवसंरचना को खतरा शामिल है, नाजुक सुरक्षा माहौल को रेखांकित करता है। एएनआई के अनुसार, जयशंकर ने कहा, पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। जारी तनाव, समुद्री यातायात के लिए जोखिम और ऊर्जा अवसंरचना में व्यवधान स्थिति की नाजुकता को उजागर करते हैं। जयशंकर ने लेबनान, सीरिया, सूडान, यमन और लीबिया सहित क्षेत्र के अन्य हिस्सों में अस्थिरता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा लेबनान और सीरिया लगातार चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। सूडान में संघर्ष से भारी मानवीय क्षति हो रही है। यमन में मानवीय चिंताएं और समुद्री जोखिम मौजूद हैं, जबकि लीबिया में स्थिरता महत्वपूर्ण बनी हुई है।

जयशंकर ने कहा कि इन संकटों से निपटने के लिए निरंतर अंतरराष्ट्रीय सहयोग और राजनयिक जुड़ाव की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इन सभी बातों से एक स्पष्ट वास्तविकता उजागर होती है– स्थिरता चुनिंदा नहीं हो सकती और शांति टुकड़ों में नहीं मिल सकती। विदेश मंत्री ने आगे कहा कि अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन करना, नागरिकों की रक्षा करना और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने से बचना आवश्यक है। भारत तनाव कम करने के प्रयासों में रचनात्मक योगदान देने और स्थिरता बहाल करने के उद्देश्य से की गई पहलों का समर्थन करने के लिए तैयार है। मध्य पूर्व में ईरान–अमेरिका के बीच जारी युद्ध के बीच, ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों ने गुरुवार को नई दिल्ली में दो दिवसीय बैठक शुरू की। यह बैठक ऊर्जा की बढ़ती कीमतों और मध्य पूर्व में दो महीने से चल रहे संघर्ष के कारण बढ़ती वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के बीच हो रही है।

दिल्ली में हफ्ते में दो दिन वर्क फ्रॉम होम लागू

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से पेट्रोल–डीजल की बचत और वर्क फ्रॉर्म होम की अपील के बाद दिल्ली सरकार ने बड़ी घोषणा की है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि सरकारी दफ्तरों में दो दिन वर्क फ्रॉर्म होम रहेगा। उन्होंने निजी कंपनियों से भी इसे लागू करने को कहा है। सरकार ने 'मेरा भारत मेरा योगदान' अभियान के तहत कई तरह के उपायों की घोषणा की है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि पेट्रोल और डीजल की बचत के लिए सरकारी स्तर पर प्रत्येक सप्ताह में दो दिन वर्क फ्रॉम होम रहेगा। वहीं, निजी कंपनियों से भी यह कहा जाएगा कि दो दिन वर्क फ्रॉम होम किया जाए। WFH वाले दिनों में 100 फीसदी कर्मचारी घर से अपना काम करेंगे। हालांकि, आपातकालीन और आवश्यक सेवाओं वाले विभागों को इससे अलग रखा गया है। सीएम और मंत्रियों के वाहनों की संख्या में की गई कटौती का जिक्र करते हुए रेखा गुप्ता ने कहा कि सार्वजनिक परिवहन के अधिक इस्तेमाल की बात कही। अधिकारियों के पेट्रोल में 20 फीसदी की कटौती की गई है। इसके अलावा प्रत्येक सोमवार को मंडे मेट्रो डे रहेगा और मंत्री और अधिकारी ज्यादा से ज्यादा संख्या में इसका इस्तेमाल करेंगे।

दफ्तरों के समय में बदलाव किया गया है। दिल्ली सरकार के कार्यालय का समय 10 से 7.30 बजे तक काम करेंगे। वहीं निगम के दफ्तर सुबह 8. 30 से शाम 5.30 बजे तक चलेगा। दिल्ली में जानता से अनुरोध है कि नो व्हीकल डे मनाएगी। सरकार अगले 6 महीने तक कोई गाड़ी नहीं खरीदेगी। एक से आठ ग्रेड तक कर्मचारियों को सरकार से दस फीसदी अतिरिक्त अलाउंस दिया जाएगा यदि वह पचीस फीसदी अलाउंस का खर्च सार्वजनिक परिवहन पर करें।

29 कॉलोनी में 58 बसें लगाई जाएंगी जो सरकारी कर्मचारियों को उनके घर से मेट्रो स्टेशन तक पहुंचाने का काम करेगी। पचास फीसदी बैठकेंऑनलाइन की जाएंगी विश्वविद्यालय और कॉलेज से भी ऑनलाइन मॉड में पढ़ाई का अनुरोध किया जा रहा है।

महाराष्ट्र में फिजूलखर्ची पर लगाम

मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में फिजूलखर्ची रोकने के लिए कड़े कदम उठाए हैं। पश्चिम एशिया के संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की अपील की थी। इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने नए निर्देश जारी किए हैं। मुख्य सचिव राजेश कुमार ने 13 मई को एक सर्कुलर जारी किया। इसमें सभी विभागों, जिला कलेक्टरों और नगर आयुक्तों को खर्च कम करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने अधिकारियों के सभी विदेशी दौरों को रद्द कर दिया है। फिलहाल किसी भी नए विदेशी दौरे की योजना नहीं बनाई जाएगी। ईंधन बचाने के लिए पुलिस को निर्देश मिले हैं कि वे बाइक रैलियों, वाहन जुलूसों या बड़े काफिलों को अनुमति न दें। अधिकारियों से कहा गया है कि वे सरकारी काम के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करें। वरिष्ठ अधिकारियों को हफ्ते में कम से कम एक बार मेट्रो, लोकल ट्रेन या बस से सफर करना होगा।

सीएम बनते ही विजय ने सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों को दिया तोहफा, बढ़ा दिया महंगाई भत्ता

चेन्नई,एजेंसी। सीएम विजय ने तमिलनाडु के सरकारी कर्मचारियों, शिक्षकों, पेंशनर्स और पारिवारिक पेंशनर्स के लिए महंगाई भत्ते में 2 प्रतिशत बढ़ोतरी का एलान किया। इस बढ़ोतरी के बाद डीए 58 प्रतिशत से बढ़कर 60 प्रतिशत हो गया है। सरकार ने इसे 1 जनवरी 2026 से प्रभावी माना है। राज्य के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से जारी आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि इस फैसले से करीब 16 लाख सरकारी कर्मचारी, शिक्षक, पेंशनर्स और पारिवारिक पेंशनर्स लाभान्वित होंगे। सरकार ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय कर्मचारियों का डीए 58 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत किए जाने के बाद तमिलनाडु सरकार ने भी अपने कर्मचारियों और पेंशनर्स को समान लाभ देने का निर्णय लिया है। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि मुख्यमंत्री विजय के नेतृत्व वाली सरकार कर्मचारियों और शिक्षकों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्ध है, जो राज्य में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और सार्वजनिक सेवाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सरकार के अनुसार, डीए बढ़ोतरी से राज्य के खजाने पर सालाना करीब 1,230 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। इसके बावजूद कर्मचारियों और पेंशनर्स के हितों को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त राशि आवंटित करने का फैसला लिया गया है। वहीं तमिलनाडु में श्कलाइग्नार मगलीर उरिमाई थोगईश की मई महीने की किस्त में देरी को लेकर सियासत तेज हो गई है। डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन ने मुख्यमंत्री विजय पर निशाना साधते हुए सवाल उठाया कि हर महीने 15 तारीख तक दी जाने वाली 1,000 की सहायता राशि अब तक क्यों जारी नहीं की गई। स्टालिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि मई महीने की राशि 15 तारीख तक लाभार्थी महिलाओं के खातों में पहुंच जानी चाहिए थी। पहले से चल रही योजना को जारी रखने में अब देरी क्यों हो रही है? आखिर किस तरह का पुनर्गठन किया जा रहा है? उन्होंने आगे कहा कि विधानसभा में एक दिन पहले ही सरकार ने दावा किया था कि द्रविड़ मॉडल सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाएं जारी रहेंगी। स्टालिन ने तंज कसते हुए कहा कि 2,500 प्रति माह देने का वादा करने वाली सरकार अब 1,000 की राशि देने में भी देरी कर रही है। क्या यही आपका बदलाव है? दरअसल, कलाइग्नार महिला अधिकार सहायता योजना पिछली डीएमके सरकार द्वारा शुरू की गई थी और इसका नाम दिवंगत डीएमके नेता व पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि के नाम पर रखा गया था। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 1,000 की आर्थिक सहायता दी जाती है। वहीं, विजय सरकार ने स्पष्ट किया है कि लाभार्थी महिलाओं को मई महीने की किस्त जल्द जारी की जाएगी। सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया कि योजना के पुनर्गठन के लिए कुछ समय की आवश्यकता है, लेकिन मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने निर्देश दिया है कि मई महीने की 1,000 की राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में जल्द जमा कराई जाए।

पश्चिम बंगाल में सुवेंदु अधिकारी का बड़ा ऐलान, सरकारी स्कूलों में वंदे मातरम गाना अनिवार्य

कोलकाता,एजेंसी। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने गुरुवार को घोषणा की कि पश्चिम बंगाल के सभी सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों में 18 मई से वंदे मातरम गाना अनिवार्य होगा। मीडिया से बात करते हुए अधिकारी ने कहा कि निजी विद्यालयों से भी इसे अपनाने का अनुरोध किया गया है और इस संबंध में औपचारिक सूचना आज बाद में जारी की जाएगी। अधिकारी ने कहा कि सोमवार से सभी सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में वंदे मातरम अनिवार्य होगा। निजी स्कूलों में भी इसे शामिल करने की अपील की गई है। इस संबंध में आज औपचारिक नोटिस जारी किया जाएगा।

एक अलग घटनाक्रम में, अधिकारी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष पद के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक रथेंद्र बोस के नामांकन के बारे में भी बात की और परंपरा के अनुसार सर्वसम्मति बनाए रखने का आग्रह किया। बोस की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वे एक समर्पित पार्टी कार्यकर्ता हैं और पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं। उन्होंने आगे कहा कि वे इस भूमिका में प्रशासनिक समझ और संगठनात्मक अनुभव दोनों लेकर आएंगे। अधिकारी ने कहा कि उन्होंने कभी विधायक, मंत्री या अध्यक्ष जैसे किसी पद के लिए आवेदन नहीं किया। पार्टी ने उनकी निष्ठा को पहचाना है। वे चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और इस जिम्मेदारी को संभालने के लिए उनमें आवश्यक क्षमता है। हम उनके नेतृत्व के लिए सभी पक्षों से सहयोग चाहते हैं। उन्होंने विपक्ष से संसदीय परंपरा का पालन करते हुए निर्विरोध स्पीकर चुनाव सुनिश्चित करने की अपील की। घ्छउन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल में स्पीकर का चुनाव पारंपरिक रूप से सर्वसम्मति से होता आया है। मुझे उम्मीद है कि विपक्ष इस परंपरा को जारी रखेगा।

भारत के दो एलपीजी वाहक जहाजों ने पार किया होर्मुज, भारतीय झंडा लगा जहाज हमले के बाद डूबा

नई दिल्ली,एजेंसी। अमेरिका–ईरान तनाव के बीच दो और भारतीय गंतव्य वाले एलपीजी जहाजों ने होर्मुज जलडमरूमध्य को सफलतापूर्वक पार कर लिया है। यह जानकारी रिपोर्ट्स में दी गई। एलपीजी जहाज सिमी होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने के दौरान अपने ट्रांसपोंडर को कुछ समय तक बंद रखने के बाद गुरुवार को ओमान की खाड़ी में देखा गया। अन्य एलपीजी जहाज एनवी सनशाइन ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने के दौरान कुछ ऐसा ही किया। यह घटना ऐसे समय पर सामने आई है, जब पश्चिम एशिया में ईरान–अमेरिका में तनाव बना हुआ है और होर्मुज जलडमरूमध्य बंद है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की रुवैस रिफाइनरी से एलपीजी से लदा एनवी सनशाइन जहाज को आखिरी बार भारत के मंगलौर की ओर जाते हुए देखा गया था। इसी बीच, सिमी कतर के रस लाफान बंदरगाह से गुजरात के कांडला तक ईंधन ले रहा है। इस महीने की शुरुआत में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि ईरान के साथ युद्धविराम लाइफ सपोर्ट पर हैं, जिससे संकेत मिलता है कि दोनों देशों के बीच संघर्ष जारी है और कई मुद्दों जैसे ईरान के परमाणु कार्यक्रम रोकने और होर्मुज जलडमरूमध्य के कंट्रोल जैसे मुद्दों को लेकर विवाद बना हुआ है। इससे अलावा ट्रंप ने हाल ही में ईरान की ओर से भेजे गए शांति प्रस्ताव को अस्वीकार्य बता दिया था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में, अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने ईरान द्वारा अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से प्रस्तुत प्रतिक्रिया की समीक्षा की है और प्रस्ताव पर असंतोष व्यक्त किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान ने ताजा अमेरिकी शांति पहल पर अपनी प्रतिक्रिया पाकिस्तान के माध्यम से दी है, जो तेहरान और वॉशिंगटन के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है। भारतीय ध्वज वाला जहाज हाजी अली, जो एक पारंपरिक डाउ या मोटर चालित नौका थी, सोमालिया से यूएई के शारजाह जा रहा था। इसी दौरान बुधवार तड़के ओमान के जलक्षेत्र में उस पर हमला हुआ, जिससे जहाज में आग लग गई और बाद में वह डूब गया। इस घटना की पुष्टि बंदरगाह, नौवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगला ने की।

सिर्फ पुलिस के समक्ष दिए बयान के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जा सकता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 18 साल पुराने अपहरण और दुष्कर्म मामले में कहा कि सिर्फ पुलिस के समक्ष दिए गए बयान के आधार पर किसी आरोपी को दोषी ठहराना उचित नहीं माना जा सकता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 18 साल पुराने अपहरण और दुष्कर्म मामले में कहा कि सिर्फ पुलिस के समक्ष दिए गए बयान के आधार पर किसी आरोपी को दोषी ठहराना उचित नहीं माना जा सकता। जब तक उसके समर्थन में ठोस और विश्वसनीय साक्ष्य न हों। कोर्ट ने उम्रकैद की सजा पाए आरोपी को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति जय कृष्ण उपाध्याय की खंडपीठ ने आरोपी रजनीश की आपराधिक अपील स्वीकार करते हुए दिया।

मेरठ निवासी नाबालिग के पिता ने आरोपी रजनीश के खिलाफ अपहरण और दुष्कर्म समेत गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था। अभियोजन के अनुसार मृतक के पिता ने आरोप लगाया था कि नाबालिग बेटी पांच नवंबर 1997 को शौच के लिए घर से निकली थी लेकिन लौटी नहीं। बाद में पुलिस ने नाबालिग को आरोपी पक्ष के लोगों के साथ एक बुग्गी से बरामद किया। नाबालिग ने पुलिस के समक्ष दिए बयान में आरोप लगाया था कि आरोपी ने गन्ने के खेत में उसके साथ दुष्कर्म किया।

उसी रात उसने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मुकदमे में अभियोजन का मुख्य आधार मृतका का वह बयान था जिसे पुलिस ने दर्ज किया था। ट्रायल कोर्ट ने इसी बयान को मृत्युपूर्व कथन मानते हुए आरोपी को दोषी करार दिया था। हाईकोर्ट ने कहा कि विशेष परिस्थितियों में पुलिस के समक्ष दिए बयान को मृत्युपूर्व कथन के रूप में स्वीकार किया जा सकता है लेकिन उसकी विश्वसनीयता का कठोर परीक्षण जरूरी है। कोर्ट ने मेरठ की ट्रायल कोर्ट की ओर से 21 मई 2008 को सुनाई गई दोषसिद्धि और सजा को निरस्त कर दिया।

लोकसेवक के आदेश की अवज्ञा में जेल जाने वाले सेनानी सम्मान राशि के हकदार नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि आपातकाल के दौरान आईपीसी की धारा 188 (लोक सेवक के आदेश की अवज्ञा) के तहत जेल जाने वाले लोग ''लोकतंत्र सेनानी'' की श्रेणी में नहीं आते हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि आपातकाल के दौरान आईपीसी की धारा 188 (लोक सेवक के आदेश की अवज्ञा) के तहत जेल जाने वाले लोग श्लोकतंत्र सेनानीश्श की श्रेणी में नहीं आते हैं। वह सम्मान राशि पाने के हकदार नहीं हैं। यह आदेश न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति विवेक सरन की खंडपीठ ने पीलीभीत निवासी राखन लाल और सात अन्य की ओर से दायर याचिका पर दिया है। याचियों ने जिला मजिस्ट्रेट पीलीभीत के समक्ष आवेदन कर उन्हें लोकतंत्र सेनानी मानने और सम्मान राशि देने की मांग की। याचियों का दावा था कि वो आपातकाल के दौरान जेल गए थे। ऐसे में उन्हें लोकतंत्र सेनानी माना जाए। डीएम ने उनके आवेदन को खारिज कर दिया। कहा कि याचियों को आपातकाल के दौरान लोक सेवक के आदेश की अवज्ञा करने के आरोप में जेल भेजा गया था, न कि राजनीतिक आधार पर। इस फैसले को याचियों ने हाईकोर्ट में चुनौती दी।

कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद कहा कि उत्तर प्रदेश लोकतंत्र सेनानी सम्मान अधिनियम, 2016 की धारा 2(ए) के तहत लोकतंत्र सेनानी वही व्यक्ति माना जा सकता है जो उत्तर प्रदेश का स्थायी निवासी हो। साथ ही आपातकाल (25 जून 1975 से 21 मार्च 1977) के दौरान राजनीतिक आधार पर मीसा (मीसा) या डीआईआर के तहत जेल में निरुद्ध रहा हो। कोर्ट ने पाया कि याचियों को मीसा या डीआईआर के तहत गिरफ्तार नहीं किया गया था, बल्कि उन्हें धारा 188 के तहत जेल भेजा गया था। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने याचिका को खारिज कर दिया।

इरादतगंज हवाई पट्टी पर अवैध कब्जा, कार्रवाई की तैयारी, डीएम ने गठित की कमेटी

प्रयागराज। घूरपुर स्थित इरादतगंज हवाई पट्टी के बड़े हिस्से पर अवैध कब्जा हो गया है। शिकायत मिलने पर डीएम मनीष कुमार वर्मा ने तीन सदस्यीय कमेटी का गठन कर दिया है जो हवाई पट्टी का सीमांकन करते यह जांच करेगी कि कितनी जमीन पर अवैध कब्जा है। घूरपुर स्थित इरादतगंज हवाई पट्टी के बड़े हिस्से पर अवैध कब्जा हो गया है। शिकायत मिलने पर डीएम मनीष कुमार वर्मा ने तीन सदस्यीय कमेटी का गठन कर दिया है जो हवाई पट्टी का सीमांकन करते यह जांच करेगी कि कितनी जमीन पर अवैध कब्जा है। तकरीबन 84 हेक्टेयर में स्थित इरादतगंज हवाई पट्टी के आसपास कई ईंट भट्टे हैं। शिकायत आई है कि हवाई पट्टी की जमीन पर ही ईंटों की पथाई हो रही है। वहीं, बीते दिनों वहां आयोजित एक निजी कार्यक्रम में पक्का मंच बना लिया गया जो इरादत गंज हवाई पट्टी की जमीन पर ही है। इसके अलावा कई पक्के निर्माण भी करा लिए गए हैं और धीमे–धीमे अवैध कब्जे का दायरा बढ़ता जा रहा है। डीएम मनीष कुमार वर्मा को जब शिकायत मिली तो उन्होंने जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी बना ली, जिसमें एडीएम वित्त एवं राजस्व, खनन अधिकारी और एक पुलिस अधिकारी को शामिल किया गया है। डीएम ने बताया कि पहले यह पता लगाया जाएगा कि इरदारतगंज हवाई पट्टी की सीमा कहां से कहां तक है। इसके लिए रक्षा विभाग से पत्राचार किया जा रहा है। इसके अलावा तहसील प्रशासन व अन्य विभागों से भी जांच में सहयोग लिया जा रहा है ताकि हवाई पट्टी की जमीन का सही सीमांकन हो सके और यह पता लगाया जा सके कि जमीन के कितने हिस्से पर अवैध कब्जा है। मौके पर सर्वे भी कराया जा रहा है। जांच कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

धूल भरी आंधी से उड़ी बिजली... कई जगह गिरे पेड़, क्षतिग्रस्त हुए वाहन

प्रयागराज। तेज धूप के बाद बुधवार शाम आई धूल भरी आंधी से जनजीवन पूरी तरह अस्त–व्यस्त हो गया। इस दौरान शहर के सिविल लाइंस, बैरहना, मेहंदौरी, दारागंज, मधवापुर, लूकरगंज, सुलेम सराय, रामबाग, छोटा बघाड़ा, बड़ा बघाड़ा, तेलियरगंज, अल्लापुर, राजरूपपुर सहित कई मोहल्लों में बिजली गुल हो गई। वहीं, 80 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से चलीं हवाओं से एमजी मार्ग, मेहंदौरी मालवीय मार्ग, रामबाग रेलवे ओवरब्रिज, नेहरू पार्क, नवाब यूसुफ रोड, चकिया, अल्लापुर, तेलियरगंज व कल्याणी देवी गेट के पास पेड़ व डाल टूटकर गिर गईं। इनकी चपेट में आने से आधा दर्जन बाइक व कार क्षतिग्रस्त हो गईं। इसके अलावा पुलिस लाइन, अग्रसेन चौराहा, मेहंदौरी स्थित मालवीय रोड और एमजी मार्ग पर पेड़ गिरने से एक लेन पर आवागमन काफी देर तक बाधित रहा। आंधी की वजह से बिजली गुल होने के कारण कई वार्डों के नलकूप नहीं चल सके। इससे पानी का संकट भी खड़ा हो गया। जलकल विभाग को टैंकर लगाकर पानी की आपूर्ति करनी पड़ी। वहीं, कई इलाकों में हल्की बूंदाबांदी भी हुई। अग्रसेन चौराहे पास अजंता टॉकीज का छज्जा टूटकर गिरा तेज आंधी से अग्रसेन चौराहा स्थित अजंता टॉकीज का छज्जा टूटकर सड़क पर गिर गया।

आंधी-तूफान से प्रयागराज में 21 लोगों की मौत, 16 मकान क्षतिग्रस्त, कई घायल

प्रयागराज। प्रयागराज में बुधवार की शाम को आए आंधी और तूफान ने पूरे जिले को झकझोर कर रख दिया। यहां के बुजुर्गों को याद नहीं है कि ऐसा तूफान पहले कब आया था। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक प्रलयकारी तूफान से 21 लोगों की मौत हो गई है तमाम लोग घायल हैं। डेढ़ दर्जन से अधिक मकान गिर गए हैं। प्रशासन क्षति का आकलन करने और मुआवजा देने के लिए सर्वे में जुट गया है।

आंधी–तूफान से प्रयागराज में बुधवार शाम 21 लोगों की मौत हो गई। वहीं, पांच व्यक्ति घायल हो गए, 20 पशुहानि हुई और 16 मकान क्षतिग्रस्त हो गए। आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। प्रयागराज के लोगों को ठीक से याद भी नहीं कि इससे पहले इतना भीषण आंधी–तूफान कब आया था। शहर से लेकर गांव तक आंधी–तूफान का तांडव देखने को मिला। प्रयागराज में जिनकी मृत्यु हुई है, उनमें से महिलाएं व चार बच्चे भी शामिल हैं। डीएम मनीष कुमार वर्मा ने हादसे के तुरंत बाद नुकसान का आकलन कराते हुए मुआवजा वितरण के निर्देश जारी कर दिए हैं।

प्रयागराज के कुतुबुद्दीनपुर फूलपुर निवासी संदीप की 30 वर्षीय पत्नी सविता व छह साल के बेटे अनुपम ने अपनी जान गंवा दी। घरमपुर फूलपुर निवासी सदानंद (60) पुत्र रामनाथ, लिखैया फूलपुर के दिनेश कुमार पुत्र समर बहादुर, जगदीशपुर सोरांव के सत्यम (9) पुत्र रामजी, सोरांवा सोरांव की संगीता (32) पत्नी अतुल कुमार और खिजिरपुर सोरांव

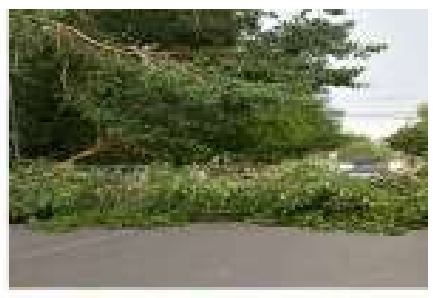

की इंदू पटेल (24) पत्नी अंकित पटेल की मौत हो गई।

वहीं, चिलबिला मेजा के अंश कुमार (12) पुत्र श्यामबाबू, मसौरा नरोत्तम मेजा के आदित्य (7) पुत्र लक्ष्मी नारायण, बघेड़ी हंडिया के बाउल पुत्र सदानंद, छनौता हंडिया की अनीता देवी पत्नी शिवपूजन, नाहरपुर हंडिया निवासी दुर्गा भारतीय, देवदहना हंडिया के अंजनी पुत्र बुद्धसेन, खखैचा हंडिया के लालजी पुत्र झारी, सिथौरा हंडिया की राज देवी पत्नी जीत, मंदिर हंडिया के झिंगरी पुत्र साबिर व कैलाशपुरी सदर के सुमित यादव पुत्र गैलन यादव को अपनी जान गंवानी पड़ गई।

पेड़ गिरने से कई मार्ग प्रभावित

तेज आंधी के कारण सिविल लाइंस नवाब यूसुफ रोड, तेलियरगंज, कैंट एरिया, कर्नलगंज और महात्मा गांधी मार्ग पर कई पेड़ धराशायी हो गए। प्रयाग स्टेशन के पास गऊघाट इलाके में पेड़ सड़क पर गिर पड़े। इससे आवागमन बाधित हो गया। व्यस्त मार्गों पर अचानक पेड़ गिरने से वाहन चालकों में अफरा–तफरी मच गई। इस दौरान कार्यालय से लौट रहे लोगों को घंटों जाम में जूझना पड़ा। सूचना मिलते ही यातायात पुलिस और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बैरिकेडिंग कर कई मार्गों पर यातायात रोका और रूट डायवर्ट किया। एसीपी यातायात शैलेंद्र सिंह परिहार ने बताया कि तेज आंधी के चलते कई मार्गों पर यातायात प्रभावित हो गया था। हालांकि, कुछ देर बाद स्थिति को ठीक कर लिया गया।

बिजली– यातायात व्यवस्था उड़ा ले गई आंधी

बुधवार शाम करीब चार बजे तेज आंधी से शहर की बिजली व्यवस्था ध्वस्त हो गई। इससे कई इलाकों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई और आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया। आपूर्ति बाधित होने से लोगों को पानी की समस्या का भी सामना करना पड़ा।सिविल लाइंस, नवाब यूसुफ रोड, एमजी मार्ग, राजापुर, अलोपीबाग समेत कई इलाकों में आंधी के चलते बिजली व्यवस्था चौपट हो गई। कई स्थानों पर पेड़ गिरने से बिजली के तार टूट गए और खंभे क्षतिग्रस्त हो गए।

पेड़ गिरने से बिजली बाधित

सिविल लाइंस स्थित नवाब यूसुफ रोड पर बुधवार शाम तेज आंधी और तूफान के कारण विशाल पेड़ सड़क पर गिर गया। इससे बिजली की खंभे और तार क्षतिग्रस्त हो गए। सूचना मिलने पर बिजली विभाग और संबंधित कर्मचारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने तार और पेड़ को हटाने का कार्य शुरू करवाया। कल्याणी देवी उपकेंद्र क्षेत्र में कल्याणी देवी मंदिर के गेट पर एक विशाल पेड़ गिर गया। इससे मंदिर का गेट क्षतिग्रस्त हो गया। साथ ही क्षेत्र की बिजली आपूर्ति देर रात तक बाधित रही। मनकामेश्वर मंदिर के पास भी पेड़ गिरने से बिजली बाधित रही। वहीं नेहरू पार्क के पास बिजली का खंभा पूरी तरह झुक गया।

शहर के कई इलाकों में रात भर छाया रहा अंधेरा

करेली क्षेत्र में पेड़ गिरने से अय्युद्दीनपुर, जसीर की कुरिया, मुन्ना मस्जिद, करेली और जीटीबी नगर में शाम चार बजे से देर रात तक बिजली बाधित रही। खुसरो बाग उपकेंद्र से जुड़े क्षेत्रों, रामबाग, बैरहना और कीडगंज चौक समेत कई इलाकों में रातभर बिजली की आवाजाही जारी रही। साथ ही सलोरी गोविंदपुर छोटा बघाड़ा आदि क्षेत्रों में भी बिजली आपूर्ति रात नौ बजे बहाल हो सकी।

झलवा क्षेत्र की सीपी गौतम, वृंदावन कॉलोनी, उत्थान, तुलसी पार्क और नारायण विहार कॉलोनी में शाम चार बजे से बिजली गुल हुई, जो करीब सात बजे बहाल हो सकी। हालांकि बिजली आने के बाद भी लो वोल्टेज की समस्या बनी रही। बिजली विभाग के अनुसार आंधी–तूफान के चलते कई जगह फाल्ट, तार टूटने, पेड़ गिरने, जंपर खराब होने और खंभे क्षतिग्रस्त होने से आपूर्ति बाधित हुई। केंद्रांचल उपकेंद्र और नंदगांव 11 हजार लाइन क्षेत्र में भी बिजली के खंभे गिरने और केबल टूटने से देर रात तक आपूर्ति प्रभावित रही। विभाग की टीमें लगातार मरम्मत कार्य में जुटी रहीं।

आंधी के चलते महंदौरी में गिरा पेड, यातायात बाधित

महंदौरी कॉलोनी स्थित उमाकांत मालवीय मार्ग पर आंधी के दौरान पेड गिरने से लोगों को काफी परेशानी हुई। पेड़ गिरने से एक लेन पर आवागमन ठप हो गया। इसके अलावा लोगों को बिजली गुल होने के साथ पानी की समस्या से भी दो–चार होना पड़ा। वहीं डीजे हॉस्टल के सामने पेड गिरने से आवागमन बाधित हो गया।

दो कार हुई क्षतिग्रस्त

आंधी के दौरान कंपनी बाग के सामने पेड गिरने से दो कार व एक बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। इसके अलावा कल्याणी देवी के पास चार स्कूटी व एमजी मार्ग पर एक बाइक पेड गिरने से क्षतिग्रस्त हो गई। जॉर्जटाउन इलाके में सोलर पैनल उड़ गया। इसके अलावा मार्गों पर लगे बैनर–पोस्टर व होर्डिंग भी तेज हवा में उड़ गई।

सपा सांसद की अमर्यादित टिप्पणी पर भड़कीं भाजपाई महिलाएं

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ महोबा से समाजवादी पार्टी के सांसद द्वारा की गई विवादित और अभद्र टिप्पणी को लेकर संगम नगरी में सियासी पारा चढ़ गया है। बृहस्पतिवार को भाजपा महिला मोर्चा के

नेतृत्व में सैकड़ों महिलाओं ने जिला मुख्यालय पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और सपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने हाथों में तख्तियां ले रखी थीं, जिन पर प्रधानमंत्री का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान और सपा सांसद माफी मांगो जैसे नारे लिखे थे। इस दौरान महिलाओं ने सपा नेतृत्व से सांसद के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग उठाई।

प्रदर्शन के दौरान भाजपा गंगापार की जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान ने सपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सांसद ने प्रधानमंत्री पर अमर्यादित टिप्पणी कर अपनी और अपनी पार्टी की ओछी मानसिकता को उजागर किया है। उन्होंने अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें अपने सांसद पर कार्रवाई करनी चाहिए और ऐसा न करना उनके लिए शर्मनाक है।

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री कविता यादव त्रिपाठी ने कहा कि सपा नेताओं की अभद्र टिप्पणी करने की पुरानी आदत रही है, जिससे पूरे देश की जनता में भारी रोष है। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, अर्चना शुक्ला, ऋचा सिंह, वंदना सिंह, चंद्रा अहलूवालिया और शिखा रस्तोगी समेत बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सितंबर से छह लेन के पुल पर शुरू होगा वाहनों का ट्रायल

प्रयागराज। गंगा नदी पर स्टेनली रोड से मलाक हरहर तक बन रहे छह लेन के पुल पर वाहनों का ट्रायल सितंबर माह में शुरू हो जाएगा। ट्रायल पूरा होने के बाद अक्तूबर तक पुल को हैंडओवर कर दिया जाएगा। अभी तक छह लेन के पुल का 94 फीसदी काम पूरा हो चुका है। पुल पर अभी पांच सेगमेंट का काम अधूरा है, जिसे पूरा करने में करीब दो महीने का समय लग जाएगा। इसके बाद पुल की फिनिशिंग का काम शुरू होगा, जिसमें एक महीने का समय लगने की संभावना है। इसके बाद सितंबर तक पुल पर वाहनों का ट्रायल शुरू हो जाएगा। इस पुल के बनने से लखनऊ तक के सफर का समय कम हो जाएगा। इसके अलावा लोगों को तेलियरगंज व फाफामऊ पुल पर लगने वाले जाम से राहत मिलेगी। छह लेन के इस पुल का पांच किमी हिस्सा गंगा नदी के ऊपर है। पुल के इस हिस्से में 44 केबल लगेंगे। इस पांच किमी के हिस्से को फसाड लाइट से सजाया जाएगा। जानकारी के मुताबिक ये फसाड लाइट तिरंगा के रंग की होंगी। ऐसे में नैनी यमुना पुल की तरह यह पुल भी किसी पिकनिक स्पॉट से कम नहीं होगा।

पुल का 94 फीसदी काम पूरा हो चुका है। तीन महीने के भीतर पुल पर सिगमेंट डालने के साथ फिनिशिंग का काम भी पूरा हो जाएगा। इसके बाद सितंबर में पुल पर वाहनों का ट्रायल और अक्तूबर में इसे हैंडओवर करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। – सुनीत सिंगला, परियोजना निदेशक, एसपी सिंगला

शिक्षक के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजियाबाद के स्कूल शिक्षक के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने और अन्य मामले में चल रही मुकदमे की पूरी कार्यवाही को रद्द कर दिया। न्यायालय ने फैसले में स्पष्ट किया कि कथित उत्पीड़न की घटना और छात्रा की आत्महत्या के बीच समय का लंबा अंतराल होने के कारण आरोपी के खिलाफ कोई सीधा संबंध साबित नहीं होता है। यह आदेश न्यायमूर्ति संदीप जैन की एकलपीठ ने दिया है।

मोदी नगर स्थित पब्लिक स्कूल के भौतिक विज्ञान के शिक्षक पर आरोप था कि उन्होंने 11वीं की छात्रा से अभद्र व्यवहार किया। उसे ट्यूशन के लिए मजबूर किया और परीक्षा में फेल करने की धमकी दी। शिकायतकर्ता का कहना था कि लगातार उत्पीड़न से परेशान होकर छात्रा ने 29 जुलाई 2011 को जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी। ट्रायल कोर्ट ने आरोप पत्र का संज्ञान लेकर शिक्षक को तलब किया। आरोपी ने समन आदेश सहित पूरी कार्यवाही को रद्द करने की मांग में याचिका दायर की। कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद पाया कि उत्पीड़न की आखिरी कथित घटना दो अप्रैल 2011 को हुई थी जबकि छात्रा ने करीब तीन माह बाद 29 जुलाई को आत्महत्या की। इस दौरान छात्रा परिवार के साथ घर पर थी और आरोपी के साथ उसका कोई संपर्क नहीं था इसलिए इसे आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं माना जा सकता। कानून के अनुसार, उकसाने की घटना और आत्महत्या के बीच समय की निकटता और एक अटूट कड़ी होना अनिवार्य है।

कोर्ट ने अभियोजन की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल उठाए। कहा कि छात्रा की मौत के बाद न तो पुलिस को सूचना दी गई, न ही पोस्टमार्टम कराया गया। परिजनों ने गुपचुप तरीके से शव का अंतिम संस्कार कर दिया। इसके अलावा, घटना के चार माह बाद एफआईआर दर्ज कराने के लिए आवेदन किया गया। इसका कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं है। इन तथ्यों के आधार पर कोर्ट ने मुकदमे की कार्यवाही रद्द कर दी।

लापरवाही के आरोप में लेखपाल निलंबित

प्रयागराज। लेखपाल संघ तहसील इकाई बारा के अध्यक्ष को बुधवार को एसडीएम बारा ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जिसकी जानकारी सक्षम अधिकारियों को भेजी गई है। एसडीएम बारा डॉक्टर गणेश कनौजिया ने बताया कि लेखपाल अशोक कुमार तिवारी विकास खंड शंकरगढ़ के एक गांव में तैनात हैं, जिसे अनुशासन हीनता और कार्यों में लापरवाही के आरोप में निलंबित कर जांच की जा रही है।

अनुबंध राशि बताने को तैयार नहीं टोल प्लाजा, करोड़ों की स्टाम्प चोरी

प्रयागराज। अनुबंध राशि छिपाकर प्रयागराज मंडल के टोल प्लाजा करोड़ों रुपये डकार गए। निबंधन विभाग ने जानकारी मांगी तो टोल प्लाजा से कोई जवाब नहीं आया और जब टोल प्लाजा संचालक की तलाश शुरू की गई तो कोई सामने नहीं आया।

अनुबंध राशि छिपाकर प्रयागराज मंडल के टोल प्लाजा करोड़ों रुपये डकार गए। निबंधन विभाग ने जानकारी मांगी तो टोल प्लाजा से कोई जवाब नहीं आया और जब टोल प्लाजा संचालक की तलाश शुरू की गई तो कोई सामने नहीं आया। स्टाम्प चोरी के इन मामलों में निबंधन विभाग की ओर से चार टोल प्लाजा के खिलाफ डीएम कोर्ट में मुकदमा दर्ज कराया जा चुका है। वहीं, अन्य टोल प्लाजा अनुबंध राशि की जानकारी देने को तैयार नहीं हैं। बुधवार को ही कौशाम्बी स्थित टोल प्लाजा की ओर से डीआई स्टाम्प को जवाब भेजा गया कि यहां अनुबंध राशि के बारे में जानकारी उपलब्ध नहीं है। इसके लिए दिल्ली स्थित एजेंसी के मुख्यालय से संपर्क करें।

डीआईजी स्टाम्प की ओर से अब तक प्रयागराज मंडल

के एक दर्जन टोल प्लाजा को नोटिस देकर अनुबंध राशि के बारे में जानकारी मांगी जा चुकी है। टोल प्लाजा की ओर से जवाब न मिलने पर जब संचालकों को पत्र जारी कर इस बारे में जानकारी मांगी गई तो भी कोई जवाब नहीं आया। यहां तक कि जनसूचना अधिकार के तहत भी टोल प्लाजा की ओर से अनुबंध राशि के बारे में जानकारी नहीं दी गई। नियम है कि ग्रामीण क्षेत्र में टोल प्लाजा की अनुबंध राशि का दो फीसदी और अर्धनगरीय क्षेत्र में अनुबंध राशि का चार फीसदी स्टाम्प शुल्क देना होता है। निबंधन विभाग ने फतेहपुर में तीन व कुंडा में एक टोल प्लाजा की अनुबंध राशि के बारे में जब अपने स्तर से दस्तावेजों की पड़ताल कराके जानकारी जुटाई तो पता चला कि वहां अब तक करोड़ों रुपये के स्टाम्प शुल्क की चोरी हुई है।

फतेहपुर के तीन टोल प्लाजा बडौरी बिंदकी, कटोघर खागा व जिंदपुर सदर पर पांच करोड़ 68 लाख 45 हजार 640 रुपये के स्टाम्प शुल्क की कमी निकाली गई, जबकि कुंडा प्रतापगढ़ टोल प्लाजा पर 87 लाख आठ हजार 40 रुपये के स्टाम्प शुल्क की कमी निकाली गई। जिलाधिकारी कोर्ट में मुकदमा दर्ज होने के बाद भी अगर ये टोल प्लाजा स्टाम्प शुल्क जमा नहीं करते हैं तो उन्हें रिकवरी सर्टिफिकेट (आरसी) जारी किया जाएगा।

डीआईजी स्टाम्प सुरेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि अब तक प्रयागराज मंडल के एक दर्जन टोल प्लाजा को नोटिस जारी कर अनुबंध राशि के बारे में जानकारी मांगी जा चुकी है। उन्होंने जानकारी देने से इन्कार कर दिया और दिल्ली स्थित मुख्यालय से पत्राचार करने को कहा। जब दिल्ली में पत्राचार किया गया तो वहां से भी कोई जवाब नहीं मिला। अन्य टोल प्लाजा के खिलाफ भी जल्द ही विधिक कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त

एसजीपीजीआई निदेशक गाड़ी छोड़ साइकिल से पहुंचे आफिस

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ एसजीपीजीआई के निदेशक प्रोफेसर आरके धीमन गुरुवार को अपने ऑफिस सरकारी गाड़ी छोड़ साइकिल चलाकर पहुंचे। उनका कहना है कि उन्होंने यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद की है। इस माहौल में संस्थान के हर अधिकारी–कर्मचारी को ढाला जाएगा। पद्मश्री आरके धीमन ने कहा नका कार्यालय उनके आवास से करीब 600 मीटर की दूरी पर है, इसलिए वह स्वयं भी साइकिल के इस्तेमाल को बढ़ावा दे रहे हैं। वह कार्यालय से लेकर ओपीडी तक साइकिल से ही जाएंगे। बताया कि जल्द ही संस्थान की ओर से साइकिल रैली निकाली जाएगी, जिसके माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य लाभ और यातायात प्रदूषण कम करने के प्रति जागरूक किया जाएगा। डॉ. धीमान ने बताया कि कैंपस के भीतर रहने वाले कर्मचारियों के साथ–साथ 3–4 किलोमीटर दूरी पर रहने वाले स्टाफ को भी साइकिल से कार्यालय आने के लिए प्रेरित किया जाएगा। उन्हें जहां संभव हो, पैदल चलने या साइकिल से आवागमन को प्राथमिकता देने के लिए कहा गया है। इस पहल को बढ़ावा देने के लिए, संस्थान परिसर के प्रमुख स्थानों पर 7–8 साइकिल स्टैंड स्थापित करने की योजना बना रहा है।

हजरतगंज में युवक को कार से कुचलने की कोशिश, तेज हॉर्न बजाकर डराया

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के हजरतगंज इलाके में विधान भवन गेट नंबर–8 के पास एक कार सवार युवक ने स्कूटी सवार को कुचलने की कोशिश की। कार सवार युवक ने तेज हॉर्न बजाकर स्कूटी सवार को डराने की कोशिश भी की और उसकी स्कूटी में टक्कर मार दी। इसके बाद स्कूटी सवार युवक गाड़ी से उतरकर कार के पास पहुंचा। जिसका वीडियो भी सामने आया है। फिलहाल, इस मामले में पीड़ित की ओर से अभी तक कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। वीडियो में एक होंडा सिटी कार यूपी 32 एफजे 9191 स्कूटी के पीछे युवक को टक्कर मारने का प्रयास कर रही है। कार सवार लगातार तेज चलाकर ब्रेक मार कर उसे डरा रहा है। उसके पीछे से लगातार हॉर्न देता है, तभी स्कूटी से सवार युवक गुस्से में स्कूटी रोककर उतर जाता है और जाकर कार के शीशे पर मरता है। कार सवार से चढ़ाने की वजह पूछता और बोलता है चढ़ा दो। इसके बाद कार चालक गाड़ी पीछे करता है और फिर तेजी से युवक की ओर बढ़ाता है। हालांकि युवक बाल–बाल बच जाता है, लेकिन स्कूटी को टक्कर लग जाती है। मौके पर मौजूद लोगों ने घटना का वीडियो बना लिया। वीडियो के सामने आने के बाद पुलिस का कहना है कि शिकायत मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एसटीएफ ने 25 हजार के इनामी को पकड़ा

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में यूपीएसटीएफ ने चंदौली जिले के एक इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पिछले कई महीनों से फरार चल रहा था और पुलिस को चकमा देकर छुपकर रह रहा था। पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। एसटीएफ ने आरोपी को आशियाना इलाके से गिरफ्तार किया। एसटीएफ को सूचना मिली थी कि चंदौली के थाना सैयदराजा में दर्ज मुकदमे में वांछित आशुतोष सिंह लखनऊ में छिपकर रह रहा है। इसके बाद अपर पुलिस अध्क्षिक एसटीएफ लाल प्रताप सिंह के निर्देशन में टीम गठित की गई। मुख्य आरक्षी गौरव सिंह, विनोद सिंह और अखिलेश कुमार ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को बुधवार शाम करीब 7.10 बजे मां गायत्री स्वीट्स एवं नमकीन के पास, नाबार्ड बैंक के निकट पावर हाउस रोड एलडीए कॉलोनी से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान चंदौली के थाना सैयदराजा क्षेत्र निवासी आशुतोष सिंह के रूप में हुई है। उस पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि जून 2025 में पारिवारिक संपत्ति की पैमाइश के दौरान उसके परिवार के शैलेन्द्र कुमार सिंह से विवाद हो गया था। आरोप है कि विवाद के दौरान उसने अपने साथी गोलू उर्फ राजीव सिंह के साथ मिलकर शैलेन्द्र सिंह को दौड़ाकर जान से मारने की धमकी दी थी और हवा में एक राउंड फायरिंग की थी। घटना के बाद उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। जिसके बाद से वह फरार चल रहा था और लखनऊ में छिपकर रह रहा था। आरोपी के खिलाफ थाना सैयदराजा में केस दर्ज है। पुलिस आरोपी के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटा रही है।

वाल्मीकी आश्रम के कथित महंत की गिरफ्तारी की मांग को लेकर मुख्यमंत्री आवास पर महिलाओं का प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। महिलाओं को लेकर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी व चीरहरण करने वाले वाल्मीकि आश्रम के कथित महंत भरतदास की गिरफ्तारी की मांग को लेकर आज यहां अचानक चित्रकूट से पहुंची दर्जनों महिलायें मुख्यमंत्री आवास के पास पहुंचकर जमकर नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके पर अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी भी मौजूद थे। बिना किसी पूर्व सूचना के जय बजरंग सेना की राष्ट्रीय प्रभारी श्रीमती अर्चना उपाध्याय के नेतृत्व में दर्जनों महिलायें के मुख्यमंत्री आवास के करीब पहुंचते ही पुलिस प्रशासन में हड़कम्प मच गया। आनन–फानन में हरकत में आये पुलिस प्रशासन व मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियो ने महिलाओं की मांग पर पांच लोगों के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री आवास स्थित कार्यालय पहुंचे जहां उनकी बातों को सुन और ज्ञापन लेकर तत्काल संज्ञान में लेकर कार्यवाही का आश्वासन दिया। दिये गये ज्ञापन में भरत दास को तत्काल गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए ताकि क्षेत्र में शांति व्यवस्था का माहौल कायम रहे एवं मां असावर के शक्तिपीठ को पूर्व की तरह ही नियुक्त किया जा सके, वाल्मीकि आश्रम में प्रशासनिक अधिकारी नियुक्त कर कमेटी बनाई जाए जिससे आश्रम एवं मंदिर का कार्य सुचारू रूप से चल सके भरत दास को दिया गया पुलिस बल वापस लिया जाये। ज्ञापन में भरत दास को अपराधिक प्रवति का व्यक्ति बताते हुये बताया गया है कि इसके ऊपर चित्रकूट जनपद में एक दर्जन से ज्यादा मारपीट, जमीन पर कब्जा, महिलाओं को बदनाम ब्लैकमेल करने इत्यादि के मुकदमे पंजीकृत हैं इसके बावजूद भी पुलिस अधीक्षक कर्वी के संरक्षण के कारण इसको अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया। आज हुये प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही जय बजरंग सेना की राष्ट्रीय प्रभारी श्रीमती अर्चना उपाध्याय ने इसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

भयहरण नाथ धाम में १०वां सामाजिक सत्याग्रह एवं मलमास मेला का शुभारंभ १७ मई को

धाम को कब्जा व अराजकता मुक्त करने हेतु 15 मार्च से निरंतर हो रहा सामाजिक सत्याग्रह धाम को मनमानेपन से सुरक्षित किया जाए, अन्यथा अराजकता का अंत नहीं: प्रबन्ध समिति

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडवकालीन भयहरण नाथ धाम में भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के तत्वावधान में 15 मार्च से जारी सामूहिक सामाजिक सत्याग्रह के क्रम में 10वें सामाजिक सत्याग्रह एवं मलमास मेला–2026 का शुभारंभ 17 मई से किया जा रहा है। जनता की लगातार मांग पर जनसामान्य के परम्परागत जलाभिषेक हेतु कोरोना में लगा स्टील का अर्घा हटाने का निर्णय प्रबन्ध संस्थान ने लिया है और 17 मई को इसे हटाकर गत वर्षों की भाँति पूजन करके मलमास मेले की विधिवत शुरुआत होगी।

यह जानकारी देते हुए धाम के महासचिव समाज शेखर ने बताया कि क्षेत्रीय अपराधी व भू–माफिया लामबंद होकर एक पुजारी के हितैषी बनकर अपना निहित स्वार्थ वर्षों से साध रहे हैं। धाम को कब्जा एवं कब्जाधारकों से मुक्ति हेतु वर्षों से रचनात्मक संघर्ष हो रहा है। इसी कड़ी में 15 मार्च से भयहरण नाथ धाम की भूमि एवं संपत्ति को अवैध कब्जे से मुक्त कराकर सार्वजनिक हित में संरक्षित करने हेतु सामाजिक सत्याग्रह हो रहा है। वायदे के मुताबिक राजस्व अभिलेखों के आधार पर पिछले रविवार 9वें सत्याग्रह के समय धाम की समस्त सार्वजनिक भूमि का सीमांकन कराकर स्थायी पत्थर/पिलर लगाए जाना तय था ताकि भविष्य में अतिक्रमण न हो सके, परंतु नायब तहसीलदार की अनुपस्थिति में उक्त कार्य संपन्न नहीं हो सका।

6 मई को धाम की 25 वर्ष पुरानी सार्वजनिक बारादरी को बिना किसी पूर्व सूचना, अनुमति या शासकीय आदेश के अराजक तत्वों द्वारा निजी हित में ध्वस्त कर निजी निर्माण किया जा रहा है। एसडीएम के 28 मार्च के आदेश के बाद नायब तहसीलदार ने जांच तो की लेकिन आख्या नहीं लगाई और संपर्क में भी नहीं आ रहे, जिसकी विस्तृत आख्या महासचिव ने 13 मई को डीएम सहित संबंधित को सहयोग हेतु भेजी है। सिर्फ बारादरी नहीं ढहाई गई बल्कि निहित स्वार्थी एवं असंवैधानिक तत्वों द्वारा तिरंगा एवं धर्म ध्वज का अपमान कारित किया गया। 2020 महाकाल महोत्सव में पूर्व राज्यपाल पंडित केशरी नाथ त्रिपाठी की दिव्य उपस्थिति में स्थानीय समाज व प्रबन्ध संस्था द्वारा स्थापित किया गया था, जिसका प्रोटोकॉल समय–समय पर निभाया जाता रहा। सत्याग्रहियों की माँग है कि राष्ट्र धर्म हेतु स्थापित हुए ध्वज की गरिमा अक्षुण्ण रखी जाए। यह बारादरी 2001 में संरक्षक मंडल की देखरेख में पर्यटन विभाग द्वारा सार्वजनिक उपयोग हेतु निर्मित कराई गई थी।

सत्याग्रह में सभी की माँग है कि धाम को पारदर्शी, सामूहिक एवं संवैधानिक व्यवस्था से संचालित किया जाए। राष्ट्रीय एवं धर्म ध्वज का अपमान करने वालों को चिन्हित कर संवैधानिक कार्यवाही हो। बारादरी तोड़ने वाले अराजक तत्वों पर कठोर कार्यवाही हो, जिससे सार्वजनिक व सरकारी निर्माण को मनमानेपन से सुरक्षित किया जाए, अन्यथा यह अराजकता का अंत नहीं।

समाज शेखर ने बताया कि प्रबन्ध संस्था अध्यक्ष आचार्य राज कुमार शुक्ल व कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह के मार्गदर्शन में वर्षों से अपनी जिम्मेदारी निभा रही है। प्रबन्ध समिति धाम, संविधान व नागरिक धर्म से समझौता नहीं करेगी। धाम को कब्जा मुक्त कर विकसित कर जनपयोगी बनाना ही परम लक्ष्य है।

सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा 'अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी कपल क्लब गोलाघाट शाखा द्वारा' स्वर्गीय श्री मृणाल राठी स्मृति..'राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा रत्न सम्मान' संपन्न

गोलाघाट। अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी कपल क्लब भारत द्वारा ष्वर्गीय श्री मृणाल राठी स्मृति ष्राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा रत्न सम्मानष्आज गोलाघाट जिला अध्यक्ष रंजना पवन बिनानी की अध्यक्षता में दिनांक–13/5/2026को 11ष्00 बजे हीरो होंडा शोरूम पर सम्पन्न हुआ–

1–गोलाघाट जिला के सुजीत जी कनोई को ष्हेलमेट क्रांति दूत सम्मान,

2–मीना जी नागोरी को ष्जन जागृति भूषण सम्मानष

3– अग्रवाल युवा सभा को (अध्यक्ष–नवीन अग्रवाल ,सचिव अभिषेक जी जगनानी कोषाध्यक्ष सुमित जी लढ़िया)ष् सड़क सुरक्षा रत्न सम्मान ष्से सम्मानित किया गया।

यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए और आपके अनमोल जीवन को सुरक्षित करने हेतु, यह कदम उठाया गया है।

यह सम्मान एवं स्मृति चिन्ह ष्ड्ड महाराष्ट्र प्रदेश की अध्यक्ष श्रीमती डॉक्टर माया जी एवं डॉक्टर मधुसूदन जी राठी अमरावती द्वारा अपने स्वर्गीय पुत्र श्री मृणाल जी राठी की पूण्य स्मृति में सादर समर्पित किया गया है।

हमें पूर्ण विश्वास है कि आप भविष्य में इसी समर्पण भाव से सड़क सुरक्षा के इस पवित्र यज्ञ में अपनी आहुति देते रहेंगे। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम यातायात नियमों के प्रति जन जागरूकता, घायलों की त्वरित सहायता एवं सुरक्षित यातायात संस्कृति के निर्माण में आपके द्वारा किया गया, निस्वार्थ अनुकरणीय एवं प्रेरणादायक योगदान समाज के लिए एक मिसाल है। गोलाघाट जिला शाखा द्वारा आपका चयन सड़क सुरक्षा रत्न सम्मान के लिए किया गया है इसलिए आप सभी बधाई के पात्र हैं।

अरविंद सिंह बिष्ट ने दी दामाद को दी मुखाग्नि, पंचतत्व में विलीन हुए प्रतीक यादव

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के सौतेले भाई प्रतीक यादव के पार्थिव शरीर का बृहस्पतिवार को लखनऊ के बैकुंठ धाम में अंतिम संस्कार कर दिया गया। उनके ससुर अरविंद सिंह बिष्ट ने उन्हें मुखाग्नि दी। प्रतीक यादव का 38 वर्ष की उम्र में बुधवार सुबह हृदय और फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों के कारण बीमार पड़ने के बाद निधन हो गया था। उन्हें तबीयत खराब होने पर राजधानी के सिविल अस्पताल लाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। पारिवारिक सूत्रों के मुताबिक, प्रतीक के पार्थिव शरीर की अंतिम यात्रा विक्रमादित्य मार्ग स्थित उनके आवास से शुरू हुई। शव यात्रा के दौरान सपा के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव के बेटे आदित्य यादव ने अर्थी को कंधा दिया। इस दौरान प्रतीक की पत्नी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता एवं राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव, उनकी बेटियां प्रथमा तथा पदमजा तथा अन्य रिश्तेदारों ने उन्हें अश्रुपूर्ण विदाई दी। अपर्णा अपनी दोनों बेटियों तथा जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि के साथ श्मशान घाट पहुंचीं। घाट पर मौजूद पुरोहित महेन्द्र शर्मा ने बताया कि निर्धारित प्रक्रिया के बाद प्रतीक के ससुर अरविंद सिंह बिष्ट ने उनकी चिता को मुखाग्नि दी। इस दौरान वह बेहद भावुक हो गये और अपने आंसू नहीं रोक सके। प्रतीक के पार्थिव शरीर को कुछ समय के लिए रास्ते में समाजवादी पार्टी के कार्यालय में भी रखा गया। यह उस पारंपरिक रीति–रिवाज के अनुसार किया गया जिसके तहत श्मशान घाट पहुंचने से पहले पार्थिव शरीर को पांच बार जमीन पर रखा जाता है। प्रतीक को जानवरों से बहुत प्रेम था लिहाजा उनकी पत्नी अपर्णा यादव ने शव वाहन पर प्रतीक की उनके कुत्तों और एक बंदर के साथ वाली तस्वीरें भी लगाई थीं। शव यात्रा में बड़ी संख्या में सपा और भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी शिरकत की। दोपहर करीब पौने एक बजे प्रतीक की शव यात्रा बैकुंठ धाम श्मशान घाट पहुंची और उनके पार्थिव शरीर के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया शुरू की गयी। इस दौरान सपा प्रमुख अखिलेश यादव, उनके चाचा शिवपाल सिंह यादव, चचेरे भाई तथा सांसद आदित्य यादव तथा परिवार के कई अन्य सदस्यों के साथकृसाथ प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और मंत्री दिनेश प्रताप सिंह भी मौजूद थे। इससे पहले, प्रतीक की पत्नी अपर्णा यादव ने बुधवार देर रात एक्स पर पोस्ट किया, अत्यंत दुख के साथ हम आपको सूचित करते हैं कि दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री पद्म विभूषण मुलायम सिंह यादव जी के प्रिय पुत्र और हम सभी के प्यारे प्रतीक यादव जी का अंतिम संस्कार कल (बृहस्पतिवार) सुबह 11 बजे बैकुंठ धाम (भैंसाकुंड) में किया जाएगा।

प्रतीक पंचतत्व में विलीन

सदाफुली के फूल

उनकी आठ प्रजाति में, केवल एक प्रजाति।
सदाफुली के नाम से,है भारत में ख्याति।
है भारत में ख्याति, कहें सब बारहमासी।
मौसम से कर प्रेम, यहीं के बने निवासी।
सुन लो कहें प्रदीप,देख सुन्दरता उसकी।
कहने लगी फिज़ाएँ,नहीं तुलना है उनकी।।

हँसकर जो भरते सदा, पतझर में मुस्कान।
उनको'सदाबहार कह,करें सभी सम्मान।
करें सभी सम्मान, खिलें जब उपवन में सब।
अंतस में भर रंग, पंखुरी खुलती हैं तब।
सुन लो कहें प्रदीप,खुशी का प्याला भरकर।
मिलकर सारे फूल, बाँटते हैं हँस– हँसकर।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

अखिलेश यादव की अपील, आंधी–तूफान से प्रभावित लोगों की मदद करें सपा कार्यकर्ता

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में बुधवार को आंधी–तूफान के कारण विभिन्न जिलों में हुए नुकसान के मद्देनजर राहत और बचाव का काम युद्ध स्तर पर करने की मांग करते हुए अपने कार्यकर्ताओं से भी प्रभावित लोगों की मदद का आह्वान किया। अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में आंधी–तूफान और बारिश के कारण हुई दुर्घटनाओं में लखनऊ में मारे गए लोगों के प्रति श्रद्धांजलि और शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की। पूर्व मुख्यमंत्री ने सपा कार्यकर्ताओं से भी अपील की कि वे आपदा के इस समय में सभी प्रभावित लोगों की यथासंभव सहायता करें।

उत्तर मध्य रेलवे

संख्या: एस/सेल/611/ई-नी.का./170758/2026-27 दिनांक: 13.05.2026

ई-नीलामी सूचना

ई-नीलामी कार्यक्रम, सूचना संख्या - 03, जून - 2026

अवगत कराया जाता है कि उत्तर मध्य रेलवे के विभिन्न मण्डलों तथा डिपो में उपलब्ध स्क्रैप का विक्रय ई-नीलामी के माध्यम से सम्पन्न किया जायेगा तथा सभी आयोजक अपने निर्धारित क्षेत्र के स्क्रैप का निस्तारण करेंगे। रद्दी मदें: पी.वे. व स्क्रैप रेल, कास्ट आइरन स्क्रैप, कन्डम रोलिंग स्टाक, नॉन फेरस एवं नान मेटालिक स्क्रैप, टर्निंग और बोरिंग, कन्डम आयल/पेंट्स ड्रम्स, कन्डम मशीनरी एवं प्लान्ट, कन्डम व्हीकिल्स, कन्डम आफिस इक्विपमेंट्स, फाउन्ड्री स्क्रैप, रिलीज ओवर हेड एम.एस./जी.आई.टैंक, ट्रेन लाइटिंग पंखो का रिलीज फेरस स्क्रैप, रिलीज एम.एस./जी.आई. पाइप लाइन, फाउन्ड्री स्लग सीसायुक्त एम.एस. स्क्रैप और अन्य एम.एस. स्क्रैप मदें।

क्रमांक	ई-नीलामी की तिथि	व दिन	डिपो / मण्डल	नीलामी के आयोजक	माध्यम
1.	09.06.2026	मंगलवार	सामान्य भंडार डिपो / झांसी	उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/ प्रगाली / झांसी।	www.ireps.gov.in द्वारा
2.	16.06.2026	मंगलवार			
3.	23.06.2026	मंगलवार			
4.	30.06.2026	मंगलवार			
5.	03.06.2026	बुधवार			
6.	16.06.2026	मंगलवार	सामान्य भंडार डिपो / कानपुर	उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/ सामान्य भंडार डिपो/ कानपुर।	
7.	24.06.2026	बुधवार			
8.	04.06.2026	गुरुवार	प्रयागराज मण्डल	वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे /प्रयागराज।	
9.	11.06.2026	गुरुवार			
10.	18.06.2026	गुरुवार			
11.	25.06.2026	गुरुवार			
12.	03.06.2026	बुधवार	झांसी मण्डल	वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे /झांसी।	
13.	10.06.2026	बुधवार			
14.	17.06.2026	बुधवार			
15.	24.06.2026	बुधवार			
16.	04.06.2026	गुरुवार	आगरा मण्डल	वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे /आगरा।	
17.	11.06.2026	गुरुवार			
18.	18.06.2026	गुरुवार			
19.	25.06.2026	गुरुवार			

विशेष शर्तें: सभी प्रकार की रद्दी मदों की नीलामियाँ ई-नीलामी के माध्यम से 'www.ireps.gov.in' वेबसाइट द्वारा सम्पन्न की जायेंगी। यदि उसी दिन निर्धारित कैलेन्डर दिवस में नीलामी पूर्ण नहीं हो पाती है तो नीलामी अगले कैलेन्डर दिवस में भी जारी रहेगी। 2. ई-नीलामी द्वारा जो लाट बेचे नहीं जा सके,उन्हें डिपो द्वारा अगले ई-नीलामी में सम्मिलित किया जाएगा। 3. इच्छुक खरीददार स्क्रैप किये गये सामग्रियों के लाटों का निरीक्षण नीलामी से पहले कार्य दिवसों में नामित स्थान पर कर सकते हैं। 4. यदि बिक्री की गई सामग्री की कीमत 5 लाख रुपयों से अधिक है तो ऐसी स्थिति में क्रेता को जीएसटी विभाग में पंजीकृत होना आवश्यक है। 5. नीलामी से सम्बन्धित और अधिक जानकारी के लिए।जैसे कैटलाग नीलामी की गई मदों की अंतिम बिक्री दर तथा अन्य सभी विवरण। कृपया हमारे वेबसाइट 'www.ncr.indianrailways.gov.in' पर देखें। 6. ई-नीलामी से सम्बन्धित और अधिक जानकारी 'www.ireps.gov.in' वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है। 1088/26(DG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं: 2120262027 दिनांक: 11.05.2026

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक / इंजीनियरिंग / उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये, निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित ई-निविदाएं, दिनांक 10.06.2026 को 13=30 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र.सं.	निविदा नं.	अनुमानित मूल्य (रु.)	बयाने की रकम (रु.)
1	70	1,80,00,000.00	3,60,000.00
कार्यों का विवरण: सहायक मण्डल अभियंता/लाइन/प्रयागराज के क्षेत्र में 30.06.2027 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान वार्षिक पी.वे जोन कार्य।			
2	71	1,75,00,000.00	3,50,000.00
कार्यों का विवरण: सहायक मण्डल अभियंता/फतेहपुर के क्षेत्र में 30.06.2027 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान वार्षिक पी.वे जोन कार्य।			
3	72	2,00,00,071.14	4,00,000.00
कार्यों का विवरण: सहायक मण्डल अभियंता/लाइन/प्रयागराज के क्षेत्र में 30.06.2027 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान जोन में वार्षिक सिविल रखरखाव, मरम्मत एवं छोटे नए कार्य।			
4	73	1,99,29,097.18	3,98,600.00
कार्यों का विवरण: सहायक मण्डल अभियंता/फतेहपुर के क्षेत्र में 30.06.2027 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान जोन में वार्षिक सिविल रखरखाव, मरम्मत एवं छोटे नए कार्य।			
5	74	53,00,000.00	1,06,000.00
कार्यों का विवरण: सहायक मण्डल अभियंता/लाइन/प्रयागराज के क्षेत्र में 30.06.2027 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान वार्षिक बागवानी रखरखाव जोन कार्य।			
6	75	70,00,000.00	1,40,000.00
कार्यों का विवरण: सहायक मण्डल अभियंता/फतेहपुर के क्षेत्र में 30.06.2027 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान वार्षिक बागवानी रखरखाव जोन कार्य।			

कार्य समापन की अवधि: 30.06.2027 तक | निविदा खुलने की तिथि: 10.06.2026

सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार: क्र.सं. 1 व 2 के लिये- कोई भी पी.वे का कार्य, क्र.सं. 3 व 4 के लिये- कोई भी सिविल इंजीनियरिंग का कार्य एवं क्र.सं. 5 व 6 के लिये- कोई भी बागवानी का कार्य।

नोट: 1. ई-निविदा प्रपत्र सभी निविदाकर्ताओं को निःशुल्क निर्गत किये जायेंगे। 2. उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in. पर समय 13:30 बजे तक निविदा खुलने की निर्धारित तिथि 10.06.2026 तक उपलब्ध है। 3. उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I. T. Act-2000 के अन्तर्गत C.C.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 4. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्शियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म / लेटरहेड पर यदि संलग्न हैं तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 5. निविदाकर्ता अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर एक प्रमाण-पत्र, जैसा निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेंगे, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। 6. माल एवं/अथवा सेवाओं के सप्लायर/ठेकेदार समय-समय पर निर्धारित जी. एस. टी. एक्ट तथा नियमों के अन्तर्गत होंगे। 7. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। 8. निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in. पर भी अपलोड कर दिया गया है। 9. बयाने की राशि केवल नेटबैंकिंग अथवा पेमेंट गेटवे भुगतान के रूप में ही स्वीकार की जायेगी। 10. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 11. ऑनलाइन निविदा निविदा खुलने की तिथि 10.06.2026 को समय 13:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। 12. निविदाकर्ता को जी.सी.सी. 2022 भाग-I के पैरा 10 से 18 के अनुसरण में उल्लिखित आवश्यक दस्तावेजों को निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है अथवा उनकी निविदा अपूर्ण मानी जायेगी एवं तदनुसार अविचारणीय होगी। 1070/26 (ADM)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

सम्पादकीय.....

नीट परीक्षा रद्द, पेपर लीक का एक और मामला

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने मेडिकल प्रवेश की सबसे बड़ी परीक्षा नीट 2026 को रद्द करने का फैसला लिया है। 3 मई को नीट परीक्षा आयोजित हुई थी, लेकिन उसके पर्चे पहले ही लीक हो गए थे, इस वजह से एनटीए ने परीक्षा को ही रद्द करने का फैसला लिया। ज्ञात हो कि नीट (राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा) परीक्षा, भारत में मेडिकल कॉलेजों में स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से आयोजित की जाती है। हर साल लाखों विद्यार्थी इस परीक्षा में शामिल होते हैं। इस बार 22 लाख बच्चों ने नीट परीक्षा दी थी। जिसके लिए कई छात्रों ने साल–दो साल की महंगी कोचिंग कक्षाओं में पढ़ाई की होगी, कई छात्रों के मां–बाप ने आर्थिक कठिनाइयों या अन्य दिक्कतों का सामना किया होगा, ताकि उनके बच्चे इस परीक्षा में सफल हो सकें तो डॉक्टर बनने के लिए मेडिकल कॉलेज में उनका दाखिला हो जाए। छात्रों का भविष्य, उनके सपने, बेहतर जीवन की तैयारी सब कुछ इस परीक्षा पर निर्भर होगा, जिसे एक झटके में पेपर लीक माफिया ने तोड़ दिया है। एनटीए ने तो एक बयान जारी कर बता दिया कि 3 मई 2026 को आयोजित परीक्षा को रद्द कर दिया गया है। अब परीक्षा दोबारा आयोजित की जाएगी। नयी परीक्षा तारीख की घोषणा बाद में आधिकारिक माध्यमों से की जाएगी। इससे आगे एनटीए में बैठे अधिकारियों ने अपनी और कोई जिम्मेदारी छात्रों के प्रति नहीं समझी। एनटीए ने कहा कि उसने 8 मई को पेपर लीक के मामले को स्वतंत्र जांच और आवश्यक कार्रवाई के लिए केंद्रीय एजेंसियों को भेजा था। उनसे चर्चा के बाद यह तय किया गया कि मौजूदा परीक्षा प्रक्रिया को बरकरार नहीं रखा जा सकता। एजेंसी ने माना कि दोबारा परीक्षा होने से छात्रों और उनके परिवारों को असुविधा होगी, लेकिन एनटीए के अनुसार परीक्षा प्रक्रिया पर विश्वास बनाए रखने के लिए यह कदम जरूरी था। कितनी आसानी से परीक्षा प्रक्रिया पर भरोसे की बात कही गई है। जबकि हकीकत ये है कि मोदी सरकार में पेपर लीक अब एक लाइलाज बीमारी जैसा बन गया है। पिछले 10 सालों में कम से कम 89 बार पेपर लीक हुए हैं, जिसमें चार बार तो नीट के ही पेपर लीक हुए हैं। इस बार मामले का खुलासा राजस्थान से हुआ। जहां हाथ से लिखे गए गेस पेपर मिले, इसमें 140 सवाल 3 मई की परीक्षा के पेपर के ही समान थे। लेकिन एनटीए ने अपने बयान इसका जिक्र नहीं किया है। ये सवाल 600 अंक के थे, और नीट पेपर में कुल 720 अंक ही होते हैं। यानी जिसके हाथों में ये गेस पेपर लगा होगा, उसने सभी सही जवाब दिए होंगे। अगर परीक्षा रद्द न होती तो फिर बेईमानी से उत्तीर्ण होने वाले लोग बहुतेरे होते। हालांकि असल सवाल वहीं का वहीं है कि गेस पेपर के नाम पर पर्चे का बड़ा हिस्सा आखिर किसने लीक किया। यह किसी एक व्यक्ति के बस की बात नहीं है, इसमें पूरा माफिया काम करता है। एक–एक गेस पेपर 30–30 हजार तक में बेचा गया था, तो अनुमान लगाया जा सकता है कि कितनी काली कमाई इसके जरिए की गई होगी। राजस्थान पुलिस ने हाथ से लिखे गेस पेपर को पकड़ा। सबसे पहले सीकर में यह सामने आया। इसमें फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के 300 से अधिक प्रश्न हाथ से लिखे गए थे। पूरे दस्तावेज में एक ही हैंडराइटिंग थी। केरल के एक मेडिकल कॉलेज में पढ़ रहे चुरू के एक छात्र ने 1 मई को सीकर में अपने दोस्त को यह गेस पेपर शेयर किया, जिसके बाद यह पीजी हॉस्टल्स, कोचिंग नेटवर्क, करियर काउंसलर्स और छात्रों के बीच तेजी से फैल गया। इसी से समझा जा सकता है कि इसके तार कैसे पूरे देश भर में फैले हैं। अकेले नीट परीक्षा ही नहीं, तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ अब पेपर लीक की विडंबना जुड़ चुकी है। और यही भाजपा शासन की, मोदी के अमृतकाल की पहचान बन चुकी है, जहां सरकार के संरक्षण में पल रहे पेपर लीक माफिया छात्रों का भविष्य तबाह कर रहे हैं। आज तक एक भी ऐसा मामला सामने नहीं आया है, जहां पेपर लीक में शामिल किसी दोषी को कड़ी सजा हुई हो, जिसकी मिसाल लेकर ऐसे गोरखधंधे से लोग डरें। बल्कि जनता ने भी शायद इसे ही नियति मान लिया है कि उसके अपने बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ होगा और उसे चुपचाप बर्दाश्त करना पड़ेगा। कुछेक मौके आए हैं जब युवा छात्र पेपर लीक के खिलाफ सड़कों पर उतरे, उनके मां–बाप भी साथ आए। लेकिन बाकी समाज इस तरफ से ऐसा बेपरवाह रहता है मानो उसका कोई लेना–देना ही न हो। कांग्रेस ने बिल्कुल ठीक कहा है कि पेपर लीक से हर साल लाखों सपने टूटते हैं, छात्रों का जीवन उजड़ जाता है, लेकिन उनका दर्द भाजपा नेताओं को नजर नहीं आता, क्योंकि उनके बच्चे तो विदेश में मजे से पढ़ाई कर रहे हैं। सच है– नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार ने परीक्षा की व्यवस्था को खोखला कर दिया है, जहां युवाओं के सपनों का गला घोंटा जा रहा है और देश की नींव कमजोर की जा रही है। शर्म आनी चाहिए। राहुल गांधी ने भी लिखा कि नीट अब कोई परीक्षा नहीं रही। नीट अब एक नीलामी बन गई है। परीक्षा से 42 घंटे पहले ही व्हाट्सऐप पर कई सवाल बेचे जा रहे थे। 22 लाख से ज़्यादा बच्चों ने पूरे साल, रातों की नींद हराम करके, दिन–रात एक करके पढ़ाई की और एक ही रात में, उनका भविष्य सरेआम बाजार में नीलाम कर दिया गया। यह पहली बार नहीं हुआ है। 10 सालों में, 89 पेपर लीक, 48 बार दोबारा परीक्षा। हर बार वही वादे, और फिर वही चुप्पी। राहुल गांधी ने लिखा, मोदी जी, जब आप हर नाकामी को जनता पर डाल देते हैं, तो उसमें गरीबों के बच्चों का भविष्य भी शामिल हो जाता है। 22 लाख बच्चों का भरोसा टूट गया है और भारत के युवाओं के सपनों के लिए मोदी सरकार से बड़ा खतरा कोई नहीं है।

२०२६ के विधानसभा चुनावों के नतीजे से क्षेत्रीय पार्टियों की भूमिका को झटका!

कल्याणी शंकर

हाल ही में संपन्न हुए 2026 के विधानसभा चुनावों में तीन प्रमुख मुख्यमंत्रियों को अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा। यह एक ऐसी स्थिति है जिसे राजनीतिक क्षेत्र में कई लोग एक चुनौतीपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम के रूप में देखते हैं। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल के मुख्यमंत्रियों को अपने–अपने राज्यों के चुनावों में हार का सामना करना पड़ा। राजनीति में चुनाव जीतना और हारना आम बात है। फिर भी, हाल के नतीजेकृअरविंद केजरीवाल और उद्धव ठाकरे की हार की तरह ही कृमहत्वपूर्ण राजनीतिक बदलावों को उजागर करते हैं, जो क्षेत्रीय और राष्ट्रीय सत्ता समीकरणों पर असर डालते हैं, और पाठकों को इन बदलावों के व्यापक प्रभावों को समझने में मदद करते हैं। पश्चिम बंगाल और असम में भाजपा की जीत एक बड़े विस्तार का संकेत है, जो केंद्र के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। यह प्रभाव क्षेत्रीय पार्टियों के लिए चुनौती पेश करता है और भारतीय राजनीति में सत्ता के समग्र संतुलन को फिर से परिभाषित करता है, जो मौजूदा रुझानों को समझने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। क्षेत्रीय पार्टियों के लिए बदलाव मुश्किल हो सकते हैं, जबकि वे हमारे लोकतंत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अपने समर्थकों की भावनाओं को समझना इस संक्रमण काल के दौरान सहानुभूति और आपसी समझ को बढ़ावा देता है। तमिलनाडु में राजनीतिक स्थिति और भी अधिक गहमागहमी भरी रही है, क्योंकि विभिन्न पार्टियां पर्दे के पीछे से अपनी रणनीतियों पर काम करती रही हैं। तमिलगावेट्रीकजगम (टीवीके)ने 108 सीटें जीती हैं, लेकिन बहुमत हासिल करने के लिए उसे 118 सीटों की आवश्यकता थी। उसे कांग्रेस, माकपा, भाकपा और वीसीके का समर्थन प्राप्त है, और विजय मुख्यमंत्री बन गये हैं। हालांकि, टीवीके के पास अभी भी अकेले दम पर सरकार चलाने के लिए पर्याप्त सीटें नहीं हैं। राज्यपाल से मुलाकात के चार दिन बाद, रविवार को विजय ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। जहां कुछ क्षेत्रीय पार्टियों का प्रभाव कम हो रहा है, वहीं विजय की पार्टी टीवीके का उदय राजनीति में एक नया दृष्टिकोण लेकर आया है। द्रमुक, टीएमसी, और सीपीआई(एम) जैसी स्थापित पार्टियों को भविष्य में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। शिवसेना अपने आंतरिक कलह से जूझ रही है, और अकाली दल को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। एनसीपी और जेडी(एस) जैसी अन्य पार्टियां अपना प्रभाव खो रही हैं, और जेडी(यू) भी पतन की ओर अग्रसर प्रतीत होती है। इसके अतिरिक्त, बीआरएस और बीएसपी भी अपनी–अपनी चुनौतियों का सामना कर रही हैं, जो उनके समर्थकों के लिए निराशाजनक हो सकता है। 2026 के चुनाव में भाजपा के सुवेंदु अधिकारी से ममता बनर्जी की हार पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक अहम मोड़ है। इसने ममता की 2011 के बाद की जीत के सिलसिले को खत्म कर दिया है और उनके राजनीतिक भविष्य तथा क्षेत्रीय नेतृत्व की गतिशीलता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ये दोनों ही बातें मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य को समझने के लिए बेहद जरूरी हैं। ममता बनर्जी के लिए आगे क्या है? वह शायद अपने विरोध ा प्रदर्शन जारी रखेंगी और टीएमसी को एकजुट करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगी। साथ ही इंडिया गठबंधन का एक अहम हिस्सा बनी रहेंगी। फिर भी, कई समर्थक और विश्लेषक पश्चिम बंगाल में भाजपा के बढ़ते प्रभाव के बीच उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर चिंतित हैं, जो क्षेत्रीय नेतृत्व की गतिशीलता को नया रूप दे सकता है। एक जोरदार अफवाह थी कि डीएमके और एआईएडीएमके मिलकर सरकार बनाएंगी, क्योंकि विजय बहुमत हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे थे। उसी रात, एआईएडीएमके के महासचिव एडप्पादीपलानीस्वामी, जो इन घटनाक्रमों से अनजान थे, ने उदयनिधि के साथ बातचीत शुरू कर दी। तमिलनाडु में राजनीतिक दांव–पेंच 4 मई को शुरू हुए, जब अभिनेता विजय की पार्टी, टीवीके ने 108 सीटें जीतीं – जो बहुमत से सिर्फ 10 कम थीं। रिपोर्टों से पता चला कि एआईएडीएमके के नेता एस. पी. वेलुमणि और सी. वी. षणमुगम का लक्ष्य पार्टी के 47 विधायकों में से 33 को टीवीके के साथ जोड़ना था, और वह भी दलबदल विरोधी कानून से बचते हुए। भारत के राजनीतिक परिदृश्य में एक बड़ा बदलाव आया है, क्योंकि 1977 के बाद पहली बार ऐसा हुआ है कि किसी भी राज्य में कम्युनिस्ट पार्टी की सरकार नहीं है। केरल से वामपंथ का नियंत्रण हटना इस बदलाव का प्रतीक है। यह उस दौर के बाद हुआ है जब ज्योति बसु जैसी हस्तियां प्रधानमंत्री बनने के बेहद करीब पहुंच गई थीं। पश्चिम बंगाल में वामपंथ के 34 साल के शासन और त्रिपुरा तथा केरल में हाल ही में मिली हार ने उसके पतन को उजागर किया है, जिससे उसके कार्यों और भाजपा के उदय पर चिंतन करने की जरूरत महसूस होती है। इतना ही नहीं, ज्योति बसु के प्रधानमंत्री बनने के करीब पहुंचने से लेकर वाम मोर्चा के ऐतिहासिक प्रभाव और बंगाल में उसकी मौजूदगी तक– इस शक्तिशाली वैचारिक शक्ति का पतन उसकी उपलब्धियों और असफलताओं पर चिंतन करने का भी अवसर देता है। सीपीआई(एम) को सार्वजनिक क्षेत्र में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए खुद को फिर से संगठित करने और नई ऊर्जा भरने की जरूरत होगी। कांग्रेस पार्टी ने अभी तक अपने नए मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा नहीं की है, लेकिन कई लोग राहुल गांधी के करीबी सहयोगी के.सी. वेणुगोपाल को एक संभावित उम्मीदवार के तौर पर देख रहे हैं।

रचना सक्सेना के गीत

दुर्घाते कल्मष नयनों से, पडता यामना।
मौन रुदन अंतिम बेला में, होगा सामना।।

धिक्कारेगे प्राण हमारे, श्वासें टूटती।
मरुमय जीवन मृग-मरीचिका, बाहें छूटती।।
द्वेष भाव का पिया हलाहल, पड़ता हारना।
मौन रुदन अंतिम बेला में, होगा सामना।।

गूँज उठेगा उर के भीतर, अंतस पीर भी।
पश्चाताप की अग्नि जलेगी, बहते नीर भी।
गरल भरा तो शान्त हृदय की, कैसी कामना।
मौन रुदन अंतिम बेला में, होगा सामना।।

चक्षु खुले सद पथ स्वीकारो, कर लो ग्राह्य ये।
नश्वर जग में कर्म लिखें हैं, अपना भाग्य ये।।
अहंकार को तजकर भर लो, पावन भावना
मौन रुदन अंतिम बेला में, होगा सामना।।

रचना सक्सेना
प्रयागराज

मोदी की अपील में नैतिक बल गायब, पाखंड भरपूर

अनिल जैन

ईरान और अमेरिका–इजरायल के बीच छिड़े युद्ध के ठीक 72वें दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इल्हाम हुआ कि इस युद्ध से पैदा हुए वैश्विक संकट की चपेट में भारत भी आ रहा है। युद्ध शुरू होने के तत्काल बाद राहुल गांधी जैसे विपक्षी नेता और तमाम आर्थिक व सामरिक विशेषज्ञ जब इस संकट को लेकर भारत सरकार को आगाह कर रहे थे तो प्रधानमंत्री सहित उनकी सरकार के तमाम मंत्री और सत्तारूढ़ पार्टी के बाद बहादुर प्रवक्ता ऐसी नसीहतों की खिल्ली उड़ा रहे थे। पांच राज्यों में हुआंधार चुनाव प्रचार करते हुए मोदी कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दलों पर लोगों को अनावश्यक रूप से डराने का आरोप लगा रहे थे। वे देश में किसी भी तरह के संकट को नकारते हुए देश की आर्थिक मजबूती का दावा कर रहे थे। पांच राज्यों के चुनाव प्रचार से निवृत्त होने के बाद अब मोदी ने चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिस्थितियों से निबटने के लिए सात सूत्रीय अपील देशवासियों से की है। प्रधानमंत्री ने तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में एक सरकारी कार्यक्रम में कहा कि ऊर्जा बचाने के लिए लोगों को वर्क फ्रॉम होम यानी घर से काम करने को तरजीह देनी चाहिए, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग कर पेट्रोल–डीजल की खपत और रसोई ईंधन के इस्तेमाल में कटौती करनी चाहिए। उन्होंने लोगों से तेल कम खाने, शादी–विवाह समारोहों में सादगी बरतने और खेतों में रासायनिक खाद का उपयोग कम करने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि विदेशी मुद्रा बचाने के लिए लोगों को कम से कम सोना तो एक साल बिल्कुल भी नहीं खरीदना चाहिए। श्लोकल फॉर वोकलश का अपना घिसा–पिटा जुमला दोहराते हुए उन्होंने स्वदेशी उत्पादों का ज्यादा इस्तेमाल करने ओर विदेश यात्राओं से बचने पर भी जोर दिया। ये सारी बातें प्रधानमंत्री ने अगले दिन अपने गृह राज्य गुजरात के वड़ोदरा में भी एक रैली को संबोधित करते हुए कही। प्रधानमंत्री की इस अपील या उनकी नसीहतों में कुछ भी ऐसा नहीं है जिससे असहमत हुआ जा सके। वैसे भी सादगी, संयम, अपरिग्रह और मितव्ययिता जैसे जीवन मूल्य सिर्फ किसी संकट के समय ही क्यों, हमेशा ही अपनाए जाने चाहिए। मगर सोचने वाली बात यह है कि ये सारे मूल्य लोगों से अपनाने की अपील कौन कर रहा है और जो कर रहा है उसकी अपील में कोई नैतिक बल है भी या नहीं? यह सवाल इसलिए उठता है क्योंकि जिन कार्यक्रमों में प्रधानमंत्री ने यह अपील देश के लोगों से की, उन कार्यक्रमों में लोगों की भीड़ जुटाने के लिए हजारों निजी और सरकारी बसों का इस्तेमाल किया गया। यही नहीं, ऐसी अपील करने से पहले व बाद में मोदी ने हैदराबाद, जामनगर, सोमनाथ और वड़ोदरा में रोड शो किए, जिनमें महज दो किलोमीटर प्रति लीटर पेट्रोल–डीजल की खपत वाली वाली लाखों–करोड़ों रुपये की कीमत वाली दर्जनों गाड़ियां शामिल रहीं। दिलचस्प बात यह भी है कि लोगों को विदेश यात्राओं से बचने की नसीहत देने वाले मोदी खुद शुक्रवार (15 मई) को पांच देशों की यात्रा पर जाने वाले हैं। मोदी की बेहद खर्चीली निजी जीवन–शैली की बात न की जाए तो भी सवाल उठता है कि देश के किसी न किसी हिस्से में उनकी रोजाना करोड़ों रुपयों के खर्च से होने वाली रैलियां या रोड शो से अथवा धार्मिक पर्यटन से देश को क्या हासिल होता है? प्रधानमंत्री जिन तथाकथित विकास परियोजनाओं का शिलान्यास या उद्घाटन करने के लिए बेहद महंगी यात्राएं करते हैं, वह उद्घाटन और शिलान्यास ऑनलाइन भी तो हो सकता है। मोदी के प्रचार–प्रेम की हालत यह है कि किसी छोटी–मोटी रेल लाइन का उद्घाटन करना हो या कोई नई ट्रेन शुरू होनी हो, उसे झंडी दिखाने के लिए वे खुद जाते हैं, जबकि यह काम एक समय स्थानीय सांसद, विधायक या रेलवे के अफसर ही कर लेते थे। मोदी ने 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद से अब तक करीब 95 देशों की यात्राएं की हैं जिन पर 5000 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च हुए हैं।

सीमा वर्णिका की कलम से

'अम्मा'

अम्मा रोज सवेरे से देहरी पर बैठी राहुल की राह निहारा करतीं वर्षों से यह सिलसिला जारी है। अब तो घरवालों को भी लगने लगा था कि अम्मा का दिमाग फिर गया है।

ग्रेजुएशन के बाद राहुल सेना में भर्ती हो गया था। कभी–कभी होली दिवाली या अवकाश मिलने पर घर आ जाता था।

घर में उत्सव जैसा माहौल होता था अति उत्साही अम्मा अपने सबसे छोटे लाडले बेटे को तरह–तरह के व्यंजन बना कर खिलातीं रोज़ उसकी नज़र उतारतीं। उनके थके हारे शरीर में गज़ब की फुर्ती जाने कहाँ से आ जाती थी। अम्मा की जान था वह। इस बार पंद्रह दिन की छुट्टी पर आया था। घर में सब बहुत खुश थे। उसके बिना घर अधूरा सा लगता था। जब उसने सेना में जाने की इच्छा जाहिर की थी तो घर में सबने विरोध किया था। आख़िरकार सबको उसकी ज़िद के आगे झुकना पड़ा। अचानक सरहद पर दुश्मन देश की संदिग्ध गतिविधियाँ तेज होने के कारण आपात स्थिति बन गयी। सेनाओं के लिए एलर्ट जारी हो गया। राहुल की छुट्टियाँ रद्द हो गयीं। उसे वापस जाना पड़ा। अम्मा को उदास देख कर राहुल उन्हें जल्द ही लौट कर आने की आस देकर चला गया।

अम्मा रोज समाचार सुनतीं, भगवान से प्रार्थना करतीं कि किसी तरह यह युद्ध बंद हो जाए। दिन भर अपने बेटे की लम्बी उम्र की दुआ माँगतीं।

दस दिन बीत गए थे युद्ध अपने चरम पर था। रोज दोनों सेनाओं के सैकड़ों सैनिकों के बलिदानों की ख़बर सुनकर अम्मा का दिल बैठा जाता। फोन की घंटी सुन भयभीत हो जातीं। एक दिन चुपचाप अम्मा राहुल की जन्म कुंडली लेकर मुहल्ले के नामी गिरामी पंडित जी पास पहुँच गयीं। पंडित जी ग्रह नक्षत्रों की गणना करते रहे फिर थोड़ा चिंतित स्वर में बोले, भौजी लड़के की उम्र तो बहुत है पर शनि की साढ़ेसाती का पहला चरण है कष्ट तो देगा ही। बस थोड़ा उपाय कर ले तो ज्यादा नुकसान करके नहीं जाएगा। अम्मा बोलीं अरे पंडित जी राहुल तो ड्यूटी पर गया आप तो हमें बता दो हम उसकी तरफ से पूजा पाठ दान पुण्य सब करेंगे। पंडित जी सब पता करके अम्मा घर आ गयीं। अगले दिन से सब नियम संयम से उपाय करने लगीं। एक हफ़्ता और बीत गया पिछले दस दिन से राहुल का कोई हाल चाल नहीं मिल पाया था। पूरा घर चिंता में डूबा था। तभी युद्ध के समाचारों में ख़बर आयी कि कुछ सैनिकों को दुश्मन ने अगवा कर लिया है तथा उनको जान से मारने की धमकी दी है। सूची देख कर घरवालों के होश उड़ गए उसमें राहुल का भी नाम था। अम्मा अचानक यह ख़बर सुनकर बेहोश हो गयीं। सीमा पार से कुछ सैनिकों के मृत शरीर भेजे गए थे। राहुल लापता सैनिकों वाली सूची में था। युद्ध समाप्त हो गया था क़ैद से सैनिक वापस भेजे गए। लेकिन राहुल का कोई अता पता नहीं चला। सेना ने उसे मृत घोषित करके सलामी देकर श्रद्धांजलि अर्पित कर दी। उसका बचा–खुचा सामान घर भेज दिया गया। थोड़े दिन रो गा कर घर वाले अपनी जिंदगी में व्यस्त हो गए। एक अम्मा थीं जिन्हें पूरा भरोसा था कि एक दिन राहुल आएगा। उनका पूजा पाठ जाप और साथ में इंतजार अनवरत चलता रहा। लोगों को लगा कि बेटे को खोने के सदमे ने उन्हें पागल कर दिया है।

तीन साल बीत गए। अम्मा जर्जर हो गयीं थीं न खाने का होश न सोने का। आँखें पथरा गयीं थीं। देहरी पर दरवाजे से टिकी अम्मा राह निहारते झपक सी गयीं थीं कि कान में आवाज़ पड़ी अरे अम्मा यहाँ क्यों बैठी हो? अम्मा चौंक गयी चिल्लायीं मेरा राहुल आ गया जल्दी आओ। सब आवाज़ सुनकर निकल आए. .क्या हुआ अम्मा क्यों चीख रही हो ..सामने राहुल को देख सब आश्चर्य में पड़ गए। राहुल ने पूरा किस्सा सुनाया कि कैसे दुश्मन देश में वह कुछ अच्छे लोगों की मदद से बच पाया। बुरी तरह घायल व बेहोशी की अवस्था में एक परिवार को मिला था। सिर पर चोट लगने के कारण उसकी याददाश्त चली गई थी। उसका उन लोगों ने इलाज कराया जब स्वस्थ हुआ तब धीरे–धीरे उसकी याददाश्त वापस आ गयी फिर उन्हीं लोगों ने सुरक्षित उसकी देश वापसी में मदद की।

आज अम्मा के शिथिल शरीर में शक्ति आ गयी थी। अम्मा जोर से रो पड़ीं इतने दिनों से थमा संयम का बाँध टूट गया था। आँसूओं का सैलाब उमड़ रहा था। अम्मा की तपस्या रंग लायी थी और साथ ही साढ़ेसाती का पहला चरण समाप्त हो गया था।

असल में अम्मा के लिए युद्ध तो आज ख़त्म हुआ था और अम्मा का विश्वास जीत गया था।

सीमा वर्णिका,
कानपुर

पश्चिम एशिया युद्धः यू.ए.ई. में संपत्तियों की खरीद-बिक्री 2027 तक स्थगित

पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण संयुक्त अरब अमीरात के निर्माणाधीन संपत्ति बाजार में संपत्तियों के हस्तांतरण में देरी होने की संभावना है, जो अन्यथा तेजी से बढ़ रहा है। कई डिवैल्पर्स को अब इनपुट आपूर्ति में बाधाओं, लागत में वृद्धि और बैंकों द्वारा वित्तपोषण में सख्ती के कारण 6 से 9 महीने तक की देरी का सामना करना पड़ रहा है। दुबई में 2026 तक सौंपे जाने वाले 45,000 यूनिटों में से लगभग आधे 2027 या उससे भी बाद तक टल जाएंगे, यह जानकारी एनारॉक मिडल ईस्ट द्वारा उद्धृत आंकड़ों के अनुसार है। उद्योग के अनुमानों के मुताबिक, कुल निर्माण लागत में लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। दुबई के निर्माणाधीन बाजार में अमीरात के कुल संपत्ति लेन–देन का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा है, जो विदेशी निवेशकों की मजबूत मांग, बढ़ते प्रवासन और आक्रामक परियोजना शुभारंभ से प्रेरित है। वर्तमान में अमीरात में लगभग 1,592 सक्रिय परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं, जिनमें 4,82,000 से अधिक इकाइयां शामिल हैं, जिनका कुल मूल्य 366 अरब ऑस्ट्रेलियाई डॉलर से अधिक है। एनारॉक ग्रुप के ई.एम.ई.ए. के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनुज केजरीवाल ने कहा, ''2026 तक परियोजनाओं के पूरा होने की संभावना ऐतिहासिक रूप से बहुत अधिक है। हालांकि, वास्तविक सौंपने की प्रक्रिया अनुमानों से काफी कम रहेगी। मौजूदा बाजार की स्थिति को देखते हुए, 6 से 12 महीने की देरी का अनुमान लगाना यथार्थवादी है।''आपूर्ति में व्यवधान रू संयुक्त अरब अमीरात में निर्माण कार्य आयात पर अत्यधिक निर्भर होने के कारण, कई श्रेणियों में इनपुट लागत में 18 प्रतिशत से 28 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। प्रीमियम सिरेमिक, एल्युमीनियम फेकेड शीट, विशेष सजावटी सामग्री और कई यांत्रिक, विद्युत और प्लम्बिंग (एम.ई.पी.) घटक सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से हैं। केजरीवाल ने कहा, ''ईरान पर अमरीका–इसराईल के हमलों का दुबई की निर्माण आपूर्ति शृंखला पर गंभीर प्रभाव पड़ा है। हालांकि दुबई के बंदरगाह पूरी तरह से बंद नहीं हुए हैं लेकिन अधिकांश शिपिंग सेवाएं ठप्प हो गई हैं और जहाजों को लंबे चक्कर लगाकर दूसरे मार्गों से भेजा जा रहा है।'' मार्च में ईरानी हमलों से खाड़ी के 2 सबसे बड़े एल्युमीनियम उत्पादक प्रभावित हुए थे। अबूधाबी में स्थित एमिरेट्स ग्लोबल एल्युमीनियम की अल तावीला सुविधा में प्राथमिक एल्युमीनियम उत्पादन की पूरी बहाली में 12 महीने तक का समय लग सकता है, जबकि एल्युमीनियम बहरीन ने गलाने की अपनी लगभग 20 प्रतिशत क्षमता बंद कर दी है। दुबई के प्रॉपर्टी मार्केट विशेषज्ञ आदित्य अर्नेस्ट जॉन ने कहा कि आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि लगभग 58 प्रतिशत परियोजनाएं अभी भी 0.20 प्रतिशत निर्माण चरण में हैं, जिससे वे आपूर्ति शृंखला में व्यवधान, लॉजिस्टिक्स में देरी, ठेकेदारों की कमी और लागत में वृद्धि के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाती हैं।

चाहत, जुनून, अकेलापन और बर्बादी की झलक दिखाता है बॉबी देओल की बंदर के पहले गाने का टीजर

बॉबी देओल की जबरदस्त केमिस्ट्री और विशाल मिश्रा की दिल छू लेने वाली आवाज से सजा 'क्यूं मजा आ रहा है' कल रिलीज होगा। जब से बंदर का धमाकेदार टीजर ऑनलाइन आया है, तब से दर्शक बॉबी देओल के वाइल्ड रेट्रो–रॉकस्टार अवतार, उनके आसपास के हंगामे और मेकर्स द्वारा बनाई गई डार्क दुनिया की चर्चा कर रहे हैं। टीजर ने अपने ग्लैमरस लेकिन बेचैन माहौल, इमोशनल उतार–चढ़ाव और बॉबी की दमदार स्क्रीन प्रेजेंस से इंटरनेट पर बड़ा माहौल बना दिया। लेकिन जब लोगों को लगा कि वे बंदर की दुनिया को समझ चुके हैं, तभी मेकर्स ने नया सरप्राइज दे दिया, फिल्म के पहले गाने 'क्यूं मजा आ रहा है' का टीजर। और इस बार हंगामा थोड़ा निजी हो गया है। विशाल मिश्रा की आवाज में यह गाना बंदर का इमोशनल दिल दिखाता है, एक ऐसा रोमांस जिसमें चाहत, जुनून, अकेलापन और बर्बादी सब छिपे हैं। टीजर में बॉबी देओल के किरदार का एक नरम लेकिन खतरनाक इमोशनल पहलू नजर आता है, जिससे दर्शकों को उस रिश्ते की झलक मिलती है जो शायद इस पूरी कहानी के बीच में है। इस गाने के लिए विशाल मिश्रा बिल्कुल सही आवाज और सही नाम हैं। 'तुम हो तो' (सैयारा), 'कैसे हुआ' (कबीर सिंह) और 'दीवानियत' जैसे गानों के बाद वह हिंदी फिल्म म्यूजिक के बड़े रोमांटिक दौर के साथ बंदर में आए हैं। 'क्यूं मजा आ रहा है' पूरी तरह उनका है, संगीत भी और आवाज भी। बंदर के एल्बम का हर गाना अलग कलाकार लेकर आ रहा है, जो अपनी अलग दुनिया दिखाएगा। टीजर में जहां पहले बॉबी का उग्र और अनिश्चित अंदाज दिखा था, वहीं अब वह टूटे हुए, प्यार में डूबे और बेहद कमजोर नजर आते हैं... लेकिन साथ ही आने वाले अंधेरे की झलक भी दिखती है। गाने का नाम 'क्यूं मजा आ रहा है' खुद बंदर की दुनिया जैसा है, जहां खुशी में खतरा है, प्यार में टूटन है और मजे में बर्बादी छिपी है। टीजर ने सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू कर दी है। लोग बॉबी की केमिस्ट्री, गाने की इमोशनल तीव्रता और इसके नशे जैसे माहौल की तारीफ कर रहे हैं। कई लोग इसे उस कैंपेन का अनदेखा इमोशनल मोड़ बता रहे हैं, जो अब तक सिर्फ ध मामाकेदार, सनसनीखेज और मनोवैज्ञानिक रूप से बेचौन करने वाला लग रहा था।अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित बंदर, बॉबी देओल के साथ उनकी पहली फिल्म है। इस फिल्म में सान्या मल्होत्रा, सबा आजाद और अन्य कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। पाताल लोक, कोहरा और उड़ता पंजाब जैसे चर्चित प्रोजेक्ट्स के पीछे रहे सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी ने इसकी कहानी लिखी है। फिल्म शोहरत, स्कैंडल, चाहत और सार्वजनिक बर्बादी की दुनिया के बीच एक इमोशनल और खतरनाक सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है। निखिल द्विवेदी के सैफ्रन मैजिकवर्क्स ने जी स्टूडियोज के साथ मिलकर इस फिल्म का निर्माण किया है। बंदर 5 जून 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

एक्शन फिल्मों के दौर में 'आखरी सवाल' लाएगी नया बदलाव : निखिल नंदा

आखरी सवाल के टीजर और हाल ही में रिलीज हुए ट्रेलर को दर्शकों से जबरदस्त सराहना मिली है, जिससे फिल्म की बोल्ड, ग्रिपिंग और दमदार कहानी को लेकर काफी चर्चा बनी हुई है। संजय दत्त स्टारर यह बहुप्रतीक्षित फिल्म 15 मई, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह तैयार है। संजय दत्त स्टारर आखिरी सवाल ने अपनी बोल्ड, दमदार और सोचने पर मजबूर कर देने वाली कहानी की वजह से दर्शकों के बीच जबरदस्त चर्चा बना ली है। फिल्म के टीजर और ट्रेलर को शानदार रिस्पॉन्स मिला, जिससे इसकी रिलीज को लेकर लोगों का उत्साह और बढ़ गया है। इसी बीच निर्माता निखिल नंदा ने हाल ही में एक्शन थ्रिलर फिल्मों के दौर में इतनी गंभीर फिल्म रिलीज करने को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि आज के दर्शक कुछ नया और अलग देखना चाहते हैं, और आखिरी सवाल उन्हें वही देने वाली है। उन्होंने बताया कि यह फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित कहानी और मजबूत तथ्यों पर आधारित है, जो लोगों के बीच अपनी राय रखने और चर्चा करने का मौका देगी। आखिरी सवाल सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि सोचने पर मजबूर करने वाली फिल्म है। निर्माता निखिल नंदा ने कहा, "मेरे हिसाब से आज की ऑडियंस बहुत समझदार है। हर कोई अलग तरह की फिल्म देखना चाहता है। थ्रिलर फिल्मों के बीच अगर कोई सोचने पर मजबूर करने वाली फिल्म आती है, तो लोगों को बदलाव मिलेगा, और मैं कहूंगा कि यह बहुत जरूरी बदलाव होगा। हमारी फिल्म के जरिए हम लोगों को सच और वो तथ्य दिखाएंगे, जो कई सालों से सोशल मीडिया पर अलग–अलग तरीकों से घूमते रहे हैं। हमने उन सभी बातों को जोड़कर इस फिल्म में पेश किया है। जब आप यह फिल्म देखेंगे, तब आपको असली तथ्य पता चलेंगे और फिर आप अपनी राय खुद बना सकेंगे। आखरी सवाल फिल्म का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विनर फिल्म मेकर अभिजीत मोहन वारंग ने किया है। निखिल नंदा द्वारा प्रेजेंट की गई इस फिल्म को निखिल नंदा और संजय दत्त ने प्रोड्यूस किया है, वहीं पुनीत नंदा, डॉ. दीपक सिंह, गौरव दुबे और उज्ज्वल आनंद इसके को–प्रोड्यूसर्स हैं। फिल्म की कहानी, स्क्रीनप्ले और डायलॉग्स उत्कर्ष नैथानी ने लिखे हैं। यह फिल्म 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

सुनकर हो जाएंगे हैरान !कान में आलिया भट्ट का लग्जरी स्टे.. एक रात का किराया है 8.66 लाख

कान फिल्म फेस्टिवल की शुरुआत हो चुकि है और ऐसे में फिलहाल तो सबसे ऊपर आलिया भट्ट का नाम आ रहा है। हर जगह उनके लुक्स के चर्चे हो रहे हैं। इस फेस्टिवल में आलिया भट्ट अपना जलवा बिखेरने में सबसे आगे हैं। कान फिल्म फेस्टिवल की शुरुआत हो चुकि है और ऐसे में फिलहाल तो सबसे ऊपर आलिया भट्ट का नाम आ रहा है। हर जगह उनके लुक्स के चर्चे हो रहे हैं। इस फेस्टिवल में आलिया भट्ट अपना जलवा बिखेरने में सबसे आगे हैं। ओपनिंग सेरेमनी में आलिया ने स्काई ब्लू कलर की गाउन पहनी थीं, जिसमें वो बिल्कुल परी जैसी लग रही थीं। इसके बाद उनकापिंक गाउन में फैरल्य टेल लुक बहुत ही वायरल हो रहा है। हर कोई उनकी तारीफ कर रहा है। आलिया भट्ट के लुक्स के

अलावा एक और चीज है जो काफी लाइमलाइट में आ रही है और वो है उनका स्टे। आपको बता दें आलिया भट्ट कान फिल्म फेस्टिवल में जिस जगह पर रुकी हुई हैं। उस होटल का एक रात का किराया ही इतना है कि कोई व्यक्ति नई गाड़ी खरीद लें। बता दें कि आलिया भट्ट होटल मार्टिनेज के प्रीमियम किंग रूम विद सी व्यू में रुकी हुई हैं, इसका रात का किराया ही 8.66 लाख है। इस रूम की खास बात यह है कि यहां से बहुत ही सुन्दर नजारा दिखाई देता है। रूम के अंदर की सजावट किसी महल की सजावट से कम नहीं है। इसी के साथ आपको बता दें आलिया भट्ट के कान फिल्म फेस्टिवल की ओपनिंग सेरेमनी के लिए प्रिंसेस–कोर थीम का चुनाव किया और इसमें उन्होंने मिंट–ग्रीन रंग की एक मिडी बॉल ड्रेस पहनी थी।

इस इंडियन एक्ट्रेस के ब्राइडल लहंगे के हो रहे खूब चर्चे, पाकिस्तान से है इसका कनेक्शन

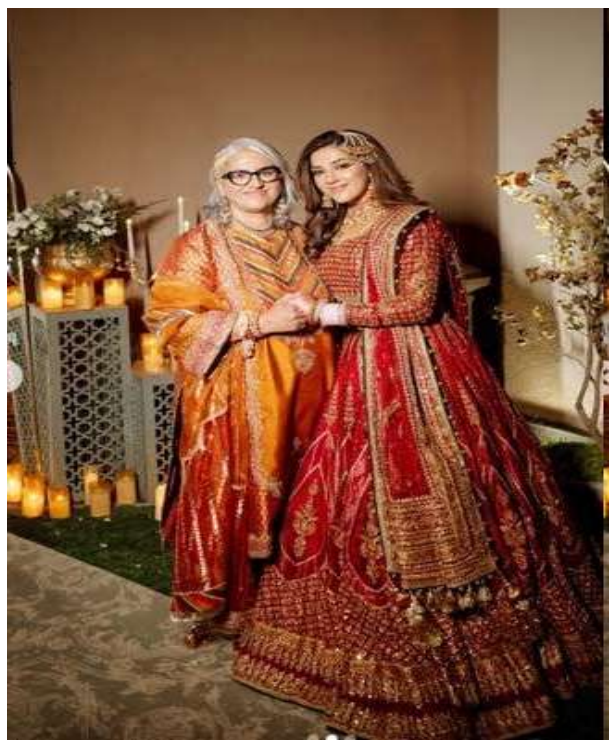

हिमाचल प्रदेश के चौल 26 अप्रैल को अभिनेत्री मेहरीन पीरजादा और अर्श औलख की शादी शादी का गवाह बना। जहां इस जोड़े ने मुख्य समारोह के लिए शांत पेस्टल गुलाबी रंग को चुना, वहीं शादी के जश्न के लिए अभिनेत्री द्वारा पाकिस्तानी डिजाइनर मोहसिन नावेद रंझा का डिजाइन किया हुआ भारी लाल लहंगा पहनना एक बड़ा आकर्षण बन गया। एक्ट्रेस ने भारत–पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव की परवाह ना करते हुए अपने खास दिन के लिए पाकिस्तानी डिजाइनर पर भरोसा किया। डिजाइनर मोहसिन जावेद रांझा ने 9 मई को इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कर लिखा– खूबसूरत /मेहरीन पीरजादां और उनके पति /मेहरीन अपने इस यादगार बड़े दिन पर एमएनआर में बेहद शानदार लग रहे हैंय वे दोनों एक साथ नजाकत, प्यार और सदाबहार आकर्षण बिखेर रहे हैं,ए मेहरीन का एमएनआर पहनावा पारंपरिक कारीगरी का एक बेहतरीन नमूना था उनके गहरे लाल लहंगे में कई पैनल वाली स्कर्ट (कलीदार) थी, जिसे सोने की बारीक जरी और टिल्ला के काम से बहुत खूबसूरती से सजाया गया था। मेहरीन पीरजादा ने इसके साथ पूरी आस्तीन वाली चोली पहनी थी, जिस पर लहंगे की स्कर्ट जैसी ही बारीक कढ़ाई की गई थी। उन्होंने अपने एक कंधे पर उसी रंग का लाल दुपट्टा ओढ़ा हुआ थाय इसके चारों ओर सोने की भारी कढ़ाई वाला बॉर्डर था और किनारों पर बड़े–बड़े लटकन (टैसेल्स) लगे थे, जो उनके पूरे लुक में एक लयबद्ध गति ला रहे थे। अभिनेत्री ने एक शाही अंदाज अपनाया था, जिसके लिए उन्होंने सोने और पोल्की का एक बड़ा चोकर, मैचिंग झुमके और एक शानदार पासा पहना था।

करोड़ों के मालिक है मौनी रॉय के पति सूरज

टीवी से लेकर बॉलीवुड तक अपनी पहचान बनाने वाली मौनी रॉय फिलहाल अपनी मैरिड लाइफ को लेकर काफी सुर्खियों में चल रही हैं। मौनी और सूरज की शादी को चार साल हो गए हैं लेकिन अब ऐसा लगता है कि दोनों अलग होने वाले हैं। जब से दोनों से एक दूसरे को अनफॉलो किया है, तब से ही दोनों के तलाक की खबरें काफी वायरल हो रही हैं। इसी बीच चलिए जानते हैं मौनी रॉय के पति सूरज कितनी सम्पत्ति के मालिक हैं। मौनी के पति सूरज हमेशा से ही इस ग्लैमर की दुनियां से दूर रहे हैं। लंदन से अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने अपने पिता का बिजनेस ज्वाइन कर लिया। इसके बाद सूरज दुबई में बिजनेसमैन और इन्वेस्टमेंट बैंकर के तौर पर काम करते थे। बता दें कि मौनी रॉय से शादी के बाद ही उनका पति सूरज सुर्खियों में आ गए थे। शादी के बाद दोनों ने मिलकर बिजनेस की दुनियां में कदम रखा और मिलकर अल्टीमेट गुरुस नाम का ग्लोबल एड–टेक प्लेटफॉर्म लॉन्च किया। इसकी कामयाबी के बाद दोनों ने मिलकर अगले साल 2023 में हाई–एंड रेस्टोरेंट भी शुरू किया, जिसका नाम बदमाश रखा। रिपोर्ट्स के अनुसार सूरज के नेटवर्थ की बात की जाए तो उनके पास 40 से 60 करोड़ रूपये हैं। अगर मौनी रॉय की तो मौनी की कमाई भी 40 करोड़ के आसपास है। खबरों और रिपोर्ट्स के अनुसार दोनों की मुलाकात 2019 में हुई थी और दोनों दुबई में एक नई ईयर पार्टी के दौरान मिले थे। इस दिन के बाद से ही दोनों के बीच दोस्ती बढ़ गई और प्यार की शुरुआत हो गई। रिपोर्ट्स के अनुसार मौनी ने अभी तक शादी की तस्वीरें डिलीट नहीं की हैं लेकिन उनके पति ने अपना इंस्टग्राम अकाउंट ही डिलीट कर दिया है। हालाँकि दोनों के तलाक की खबर अभी पक्की नहीं है। दोनों में से किसी ने भी इस बात की पुष्टि नहीं की है।

कंगाली का कारण बनता है इस जगह रखा कूड़ेदान, आज ही सुधार लें अपनी गलती

किसी भी घर की तरक्की और सुख–शांति के लिए घर का सही वास्तु बहुत मायने रखता है। घर में वास्तु दोष के चलते न केवल झगड़े और नकारात्मकता आती है। बल्कि घर की लक्ष्मी भी रूठकर चली जाती है। वास्तु शास्त्र के मुताबिक घर में डस्टबिन या कूड़ेदान का भी सही दिशा में होना बहुत जरुरी होता है नहीं तो आपको जीवन में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। तो आइए जानते हैं वास्तु शास्त्र में कूड़ेदान रखने की सही दिशा के बारे में।

उत्तर दिशा

वास्तु शास्त्र के अनुसार उत्तर–पूर्व की दिशा में रखा

डस्टबिन घर में कंगाली लेकर आता है। क्योंकि उत्तर–पूर्व देवताओं की दिशा मानी गई है। जिस घर में उत्तर–पूर्व की दिशा में डस्टबिन रखा जाता है उस घर के सदस्य मानसिक रूप से हमेशा परेशान रहते हैं। इतना ही नहीं घरवालों में से किसी एक व्यक्ति का स्वास्थय हमेशा के लिए खराब बना रहता है।

कूड़ेदान रखने की सही दिशा

बता दें कि वास्तु शास्त्र में डस्टबिन के लिए दक्षिण–पश्चिम या उत्तर–पश्चिम दिशा को शुभ माना गया है। ये दिशाएं कूड़ा विसर्जन के लिए उचित मानी गई हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार इन दिशाओं में डस्टबिन रखने का कोई भी नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता है। इसके अलावा उत्तर–पश्चिम की दिशा में भी डस्टबिन को रखा जा सकता है।

समय–समय पर सफाई करते रहे

घर के सभी कोणों में सफाई अवश्य होनी चाहिए। अगर घर में रखी अलमारी के कोने और टेबल के कोने में काफी दिन से सफाई नहीं की है तो इन जगहों पर समय–समय पर साफ करते रहें क्योंकि कोने में जमा होने वाला कूड़ा कचरा आपकी प्रगति में बाधा उत्पन्न करता है जिसकी वजह से आपको सफलता नहीं मिल पाती है।

अब घर पर लें ठंडे–ठंडे बर्फ के गोले की चुस्की, जानें इसे बनाने का तरीका

गर्मियों की दोपहर में अगर कुछ ठंडा और रिफ्रेशिंग मिल जाए तो क्या ही कहने। ऐसे में आप घर पर मार्केट जैसी बर्फ की चुस्की तैयार कर सकते हैं. कलरफुल, टेस्टी और अनेकों फ्लेवर में मिलने वाली बर्फ की चुस्की हर किसी को बेहद पसंद होती है। इसकी एक खासियत है कि इसे जब भी खाएं मन में बचपन फिर से लौट आता है। तो चलिए जानते है इसकी रेसिपी

के बारे में।

सामग्री

बर्फ के टुकड़े

मनचाहे फ्लेवर के स्क्वॉश (Mango, orange Lichi Squash)

कद्दूकस

काला नमक

बनाने की विधि

1 सबसे पहले एक बर्फ का टुकड़ा लीजिए।

2 अब सारे स्कैश को एक गिलास में डालें।

3 बर्फ को कद्दूकस से घिस लें।

4 अब कांच के ग्लास में बर्फ डालें और अच्छे से दबा दें।

5 इसके बाद इस मिश्रण में आइसक्रीम वाली स्टिक डाल दें।

6 फिर ऊपर से सारे स्कैश धीर–धीरे गोले को गोल–गोल घुमाते हुए डालें।

7 आपका गोला बनकर तैयार है।

परवरिश में ना रह जाए कोई कमी..... वर्किंग पैरेंट्स इस तरह से रखें अपने बच्चे का ख्याल

बच्चे की परवरिश एक बड़ी जिम्मेदारी है। परवरिश के दौरान दिए गए संस्कार ही बच्चे के बेहतर भविष्य का निर्माण करते हैं। लेकिन आजकल देखने को मिल रहा है कि पेरेंट्स बच्चों को अपना समय छोड़कर सब चीजें आसानी से उपलब्ध करवा देते हैं। खासतौर से वर्किंग पैरेंट्स के सामने सबसे ज्यादा बड़ी दिक्कत ये है कि वो बच्चों पर ध्यान नहीं दे पाते , जिसके चलते कई सारे बच्चे हीन भावना और अकेलेपन का शिकार हो जाते हैं। लेकिन चिंता करने की जरूरत नहीं है, कुछ टिप्स अपनाकर आप अपने बच्चों की अच्छी परवरिश कर सकते हैं....

बच्चे को स्थिति के बारे में समझाएं

वर्किंग पेरेंट हैं, तो बच्चे को अपनी स्थिति के बारे में बताएं। कई बच्चे, अपने माता–पिता से केवल इसलिए दूर हो जाते हैं क्योंकि वो खुद को हर समय अकेला पाते हैं। आपको बच्चे को अपनी स्थिति के बारे में बताना चाहिए। उनके लिए आपके काम की अहमियत को समझना जरूरी है। आप उनसे नाराज न होने की उम्मीद नहीं कर सकते। बच्चे को समय देने और उसे समझने से समस्या हल हो सकती है।

बुजुर्गों के पास रखें बच्चे

अक्सर अकेले होने की वजह से बच्चे इधर–उधर की चीजों में अपना समय बिताने लगते हैं। ऐसा करना कई बार उनके लिए हानिकारक साबित हो सकता है। ऐसे में अपने बच्चों को इससे बचाने के लिए यह जरूरी है कि आप उन्हें अकेला न छोड़ें। इसलिए संभव हो तो हमेशा अपने बच्चों को दादा–दादी, नाना–नानी या किसी अन्य बुजुर्ग के पास छोड़ें। ऐसा करने न सिर्फ आप निश्चिंत रहेंगे, बल्कि आपके बच्चे बड़ों से अच्छी बातें भी सीख पाएंगे।

सेट करें बच्चे का रुटीन

अगर आपका बच्चा थोड़ा समझदार हो गया है तो आप उसकी एक रुटीन सेट कर दें। बच्चे को कब पढ़ना है, कब खाना है, कब खेलना और कब सोना है इसके लिए एक टाइम रखें। उसके सामान को व्यवस्थित करके रखें ताकि वह अपना काम आसानी से कर पाए। समय–समय पर बच्चे को फोन करके उसका हाल पूछें। आप चाहे तो बच्चे से मिलने भी आ सकते हैं।

वीकेंड पर पूरा समय दें

अगर आप प्राइवेट सेक्टर में हैं, तो कोशिश करें कि आपकी जॉब 5 दिनों वाली हो। ऐसे में आपको दो दिन अपने बच्चों के साथ बिताने का मौका मिलेगा। इस समय में बच्चे के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताएं। उसे घुमाने ले जाएं, उसके साथ गेम्स खेलें और उसके मन की बातों को सुनें। इससे आपको ये भी पता चलेगा कि बच्चा आपसे क्या चाहता है।

बच्चे की आदतों पर गौर करें

अगर बच्चा अचानक से ज्यादा गुस्सा करने लगा है, उसे चिड़चिड़ापन महसूस होता है या अचानक चुप हो गया है तो हो सकता है उसे अकेलापन महसूस हो रहा है। कई बार बच्चे अपनी समस्या समझा नहीं पाते पर व्यवहार के जरिए उसे जताने का प्रयास करते हैं। आप बच्चे से बात करें। बच्चे की समस्या को प्यार से सुनें और उसका हल निकालें।

बच्चे के जन्म के बाद खुद को संभालने में मां को लग जाते हैं दो साल ! उनका भी रखो ख्याल

मां बनना जितना खूबसूरत एहसास है, उतना ही मुश्किल भरा भी है। जहां एक तरफ घर में आए नए सदस्य की खुशियां मनाई जाती है तो वहीं दूसरी तरफ मां बनी औरत मानसिक, शारीरिक, भावनात्मक बदलावों, दर्द और अनुभवों से गुजर रही होती है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि बच्चे के जन्म के बाद मां को संभलने में कम से कम 2 साल का समय लगता है।

कुछ महिलाएं नहीं संभाल पाती खुद को

भले ही कुछ महिलाएं देखने में बेहद Strong लगती हैं, पर वह अंदर से कई तरह के अहसास से गुजर रही होती है। बच्चे के जन्म के बाद एक मां वैसे नहीं रहती जैसे वह पहली थी। उसे उसी शेप, उसी एनर्जी में वापस आने में कम से कम दो साल लग जाते हैं। जरूरी नहीं है कि हर महिला के साथ ऐसा होता है कुछ बहुत जल्द ही खुद को रिकवर कर लेती हैं तो वही कुछ के लिए सभी चीजों को वापस लाने में बहुत समय लग जाता है।

हर मां को देना चाहिए वक्त

पहली बार मां बनी महिलाओं के लिए खुद को संभालना थोड़ा मुश्किल होता है, क्योंकि वह पहली बार इस एहसास से जो गुजर रही होती हैं। ऐसे में हम तो यही कहेंगे कि खुद को कोसने से बढ़िया खुद को समझने की कोशिश करे। अपने आप को वक्त दो और समझो कि आपके साथ कुछ गलत नहीं हो रहा है, हर मां को इस अनुभव से गुजरना पड़ता है, बस जरूरत है हिम्मत रखने की।

डिप्रेशन में चली जाती है महिलाएं

कई स्टडी में भी यह बात सामने आ चुकी है कि प्रेग्नेंसी की वजह से अक्सर नई माएं स्ट्रेस और डिप्रेस महसूस करती हैं। डिलीवरी के बाद ज्यादातर महिलाओं को मूड स्विंग्स, चिड़चिड़ापन और एंग्जायटी महसूस होती है। डिलीवरी के बाद शरीर में आए बदलावों और शिशु की देखभाल के चलते वह खुद में इतना उलझ जाती हैं कि उन्हें मालूम ही नहीं होता कि वह डिप्रेशन में हैं।

डिप्रेशन का फेज होता है लंबा

डिलीवरी के बाद डिप्रेशन का फेज 4 से 6 हफ्ते तक रह सकता है। कुछ मामलों में यह प्रेग्नेंसी से ही शुरू हो सकता है और एक साल तक रह सकता है। इतना ही नहीं कई महिलाओं को डिलीवरी के बाद 3 साल तक पोस्ट्पार्टम डिप्रेशन रह सकता है, ऐसे में जरुरत है उनकी देखभाल की। जिस तरह एक छोटे बच्चे की हर बात पर गौर किया जाता है और उसी हिसाब ने उनका ध्यान रखा जाता है, उसी तरह मां को भी देखभाल की जरूरत होती है वह कह नहीं पाती लेकिन परिवार को यह समझना चाहिए।

खुद पर ना डालें भार

कई बार महिलाएं खुद पर इतना भार डाल देती हैं कि वह शिशु के साथ वैसा बॉन्ड नहीं बना पाती जैसा एक मां और बच्चे की बीच होना चाहिए। यही वजह है कि डिलीवरी के तुरंत बाद की गई देखभाल से मां और शिशु को आगे चलकर लंबे समय तक फायदा होता है। डिलीवरी के बाद महिलाओं को रोजाना के काम करने में परेशानी हो सकती है, ऐसे में किसी की मदद लेने में संकोच नहीं करना चाहिए। घर के लोगों की मदद लेने से ही आप जल्द रिकवर हो पाएंगी।

सेब के छिलके का इस तरह प्रयोग करने से चेहरे पर दिखेगा हमेशा नेचुरल ग्लो

हम सभी जानते हैं सेब खाने से हमारे स्ध्वास्थ्य को कई प्रकार के लाभ पहुंचते हैं। कहते है जो लोग सेब का रोज सेवन करते है उन्हें डॉक्ट्र के पास जाने की जरुरत नहीं पड़ती। लेकिन क्या आप जानते हैं इसके छिलके कितने काम के होते हैं। अक्सर देखा जाता है कि लोग सेब को छीलकर खाते हैं और छिलके को कूड़ेदान में फेंक देते हैं, लेकिन ये जानकर आपको हैरानी होगी कि ये छिलका स्किन से जुड़ी कई सारी प्रॉब्लम को दूर कर सकता है। तो चलिए जानते है उनके बारे में।

आंखों के काले घेरे दूर करने के लिए

अगर आपकी आंखों के नीचे काले घेरे हो गए है तो आप रोज रात को अपनी आंखों के नीचे सेब के छिलके लगाएं। इससे आपका स्ट्रैस भी दूर होगा।

ऑयली स्किन से छुटकारा पाने के लिए

सेब के छिलके में स्टार्च होता है, जो त्वचा का रंग भी हल्का करता है और किसी भी तरह की ऑयलीनेस को कम करता है। बस अपने चेहरे पर कुछ देर के लिए सेब का छिलका रगड़ें और सादे पानी से धो लें।

चेहरे को मॉइस्चराइज करे

एक सेब के छिलके छील निकाल कर प्यूरी बना लें। इसमें

एक चम्मच शहद और क्रीम मिलाएं। अपनी त्वचा को मुलायम और चिकना बनाए रखने के लिए इस पेस्ट को नियमित रूप से त्वचा पर लगाएं।

स्किन एजिंग से दिलाए राहत

सबसे पहले सेब के छिलकों को सुखा कर उसका पाउडर

बना लें। इसके बाद दो चम्मच पाउडर को तीन चम्मच छाछ के साथ मिलाकर मुलायम पेस्ट बना लें। इसे चेहरे और गर्दन पर लगाएं और सिर्फ 25 मिनट के लिए छोड़ दें। उसके बाद पानी से धो लें।

चेहरे पर ग्लो पाने के लिए इस तरह से करें प्रयोग

अगर आप चेहरे पर ग्लो लाना चाहते हैं तो सेब का छिलका मदद कर सकता है। सबसे पहले दो बड़े चम्मच सेब के छिलके का पाउडर लें। इसमें तीन चम्मच बटर मिल्क को अच्छे से मिक्स करें और गर्दन से लेकर चेहरे पर लगाएं। कुछ मिनट लगा रहने दें।सूखने के बाद मुंह को धो लें। इस पैक का इस्तेमाल आप कम से कम सप्ताह में तीन दिन करें।

संक्षिप्त

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की नई टीम तैयार? वीआरवी और बालाजी को मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

चेन्नई,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भारतीय क्रिकेट के भविष्य को तैयार करने का अहम केंद्र माना जाता है। पिछले साल ट्रॉय कूली के पद छोड़ने के बाद से तेज गेंदबाजी कोच का पद खाली है। बीसीसीआई ने पहले किसी विदेशी विशेषज्ञ को लाने की कोशिश की थी और इंग्लैंड के तेज गेंदबाजी कोच स्टीफन जोंस से बातचीत भी हुई थी, लेकिन मामला आगे नहीं बढ़ पाया। अब बोर्ड भारतीय कोचों पर भरोसा करने के मूड में नजर आ रहा है। सूत्रों के मुताबिक पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज वीआरवी सिंह और लक्ष्मीपति बालाजी इस रेस में सबसे आगे हैं। वीआरवी सिंह पहले भी ट्रॉय कूली के साथ काम कर चुके हैं, जिससे उन्हें सीओई के सिस्टम की अच्छी समझ है। वहीं बालाजी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का लंबा अनुभव रखते हैं, जो युवा गेंदबाजों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। पी कृष्णाकुमार का नाम भी तेज गेंदबाजी कोच की सूची में शामिल है। उन्होंने जम्मू–कश्मीर टीम के गेंदबाजी कोच के रूप में शानदार काम किया और टीम को ऐतिहासिक रणजी ट्रॉफी खिताब दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई। उनके मार्गदर्शन में आकिब नबी, सुनील कुमार और युधवीर सिंह जैसे गेंदबाज उभरे। पूर्व कर्नाटक ऑलराउंडर येरे गूड को बल्लेबाजी कोच बनाया जा सकता है। फील्डिंग कोच की रेस में दिषांत यागनिक का नाम चर्चा में है, जो फिलहाल कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ काम कर रहे हैं। इसके अलावा मिलाप मेवाडा और शबरिश मोहन भी सूची में शामिल बताए जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार सुनेत्रा परांजपे, नूशीन अल खदीर और वीआर वनीता को भी सीओई में कोचिंग जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ये बदलाव भारतीय क्रिकेट के भविष्य के लिए अहम माने जा रहे हैं। अगर वीआरवी सिंह, बालाजी और अन्य पूर्व खिलाड़ी जिम्मेदारी संभालते हैं, तो युवा प्रतिभाओं को अनुभवी मार्गदर्शन मिलेगा और भारतीय क्रिकेट की नींव और मजबूत होगी।

भारत ने चीनी के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई, फैसला सितंबर तक रहेगा प्रभावी

नई दिल्ली,एजेंसी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत आने वाले विदेश व्यापार महानिदेशालय की ओर से इस संबंध ा में अधिसूचना जारी की गई है। इसके अनुसार, यह प्रतिबंध ा कच्ची, सफेद और परिष्कृत चीनी पर लागू होता है। सरकार ने नीति में बदलाव करते हुए चीनी को निषिद्ध श्रेणी में रख दिया है। सरकार ने कहा कि यह प्रतिबंध मौजूदा टैरिफ–दर कोटा और व्यवस्थाओं के तहत यूरोपीय संघ और अमेरिका को चीनी निर्यात पर लागू नहीं होगा। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने स्थानीय कीमतों को नियंत्रित करने के लिए चीनी निर्यात पर प्रतिबंध लगाया है। सरकार का यह कदम वैश्विक सफेद और कच्ची चीनी की कीमतों को सहारा दे सकता है। इससे ब्राजील और थाईलैंड जैसे प्रतिद्वंद्वी उत्पादकों को एशियाई और अफ्रीकी खरीदारों को अधिक शिपमेंट भेजने का अवसर मिलेगा। भारत, ब्राजील के बाद दुनिया का सबसे बड़ा चीनी निर्यातक है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने पहले मिलों को 1.59 मिलियन टन चीनी निर्यात की अनुमति दी थी। लेकिन अब उत्पादन लगातार दूसरे वर्ष खपत से कम रहने की उम्मीद है। प्रमुख गन्ना उत्पादक क्षेत्रों में गन्ने की पैदावार कमजोर हुई है। अल नीनो मौसम की स्थिति इस वर्ष के मानसून को बाधित कर सकती है। इससे अगले सीजन का उत्पादन शुरुआती अनुमानों से कम रहने का जोखिम बढ़ गया है। निर्यात के लिए स्वीकृत 1.59 मिलियन टन में से व्यापारियों ने लगभग 800,000 टन के अनुबंध किए थे। इसमें से 600,000 टन से अधिक चीनी पहले ही भेजी जा चुकी है। सरकार ने कच्ची और सफेद चीनी के निर्यात पर रोक लगाने की बात कही है। हालांकि, निर्यात पाइपलाइन में पहले से मौजूद शिपमेंट को कुछ शर्तों के तहत आगे बढ़ने की अनुमति दी जाएगी। यदि आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचना के प्रकाशन से पहले लोडिंग शुरू हो गई थी, तो खेपों को अनुमति दी जाएगी। यदि शिपिंग बिल दाखिल किया गया था और जहाज भारतीय बंदरगाह पर पहले ही पहुंच चुका था, तो भी निर्यात की अनुमति होगी। यदि चीनी अधिसूचना के प्रकाशन से पहले सीमा शुल्क या संरक्षक को सौंप दी गई थी, तो भी शिपमेंट को मंजूरी मिलेगी। मुंबई के एक व्यापारी ने कहा कि फरवरी में दिए गए अतिरिक्त निर्यात कोटे के कारण व्यापारियों को अब निर्यात आदेश पूरे करने में परेशानी होगी। प्रतिबंध की घोषणा के बाद न्यूयॉर्क कच्ची चीनी वायदा 2 फीसदी से अधिक बढ़ा, जबकि लंदन सफेद चीनी वायदा 3 फीसदी उछल गया।

वैश्विक चुनौतियों के बीच हरे निशान पर बाजार, जानिए सेंसेक्स–निफ्टी का हाल

नई दिल्ली,एजेंसी। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार में राहत की किरण नजर आ रही है। बीते कुछ दिनों से बिकवाली का दबाव झेल रहे बाजार के प्रमुख सूचकांक गुरुवार को हरे निशान पर कारोबर करते दिख रहे हैं। सुबह 9 बजकर 22 मिनट पर सेंसेक्स 448.92 (0.60प्रतिशत) अंकों की बढ़त के साथ 75,057.90 के स्तर पर जबकि निफ्टी 139.11 (0.59प्रतिशत) अंक चढ़कर 23,551.70 के स्तर पर पहुंच गया है। हालांकि, शुरुआती कारोबार में बढ़त के बाद बेंचमार्क सूचकांकों पर बिकवाली का जोर दिखा। 10 बजकर 01 मिनट तक सेंसेक्स 83.00 (0.11प्रतिशत) अंकों की बढ़त के साथ 74,691.98 जबकि निफ्टी 52.06 (0.22प्रतिशत) अंकों की बढ़त के साथ 23,464.65 पर कारोबार करता दिखा।

हॉकी इंडिया का बड़ा एलान, पीआर श्रीजेश की जगह इस विदेशी दिग्गज को सौंपी जूनियर पुरुष टीम की कमान

नई दिल्ली,एजेंसी। फ्रांस के फ्रेडरिक सोयेज को गुरुवार को भारतीय जूनियर पुरूष हॉकी टीम का नया कोच बनाया गया। वह दो बार के ओलंपिक पदक विजेता पीआर श्रीजेश की जगह लेंगे। पूर्व स्टार गोलकीपर श्रीजेश का अनुबंध पिछले साल चेन्नई और मदुरै में एफआईएच जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीतने के बाद खत्म हो गया था। हॉकी इंडिया ने उनके अनुबंध का नवीनीकरण नहीं किया। सोशल मीडिया पर एक तल्ख पोस्ट में श्रीजेश ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए बुधवार को कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान पाँच टूर्नामेंटों में पांच पदक जीतने के बावजूद उनका अनुबंध नहीं बढाया गया लेकिन हॉकी इंडिया ने तर्क दिया कि यह फैसला 2036 ओलंपिक की मेजबानी की भारत की महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप एक टिकाऊ और उच्च स्तरीय प्रदर्शन वाला इकोसिस्टम बनाने के दीर्घकालिक दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए लिया गया था। यूरोपीय हॉकी के बेहतरीन कोचों में से एक सोयेज के पास शीर्ष स्तर पर 15 साल का कोचिंग का अनुभव है। वह 1995 से 2010 तक फ्रांस के लिए 196 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और 195 गोल किए। इसके बाद फ्रांस और स्पेन के कोच रहे। उनके कोच रहते स्पेन रियो ओलंपिक में पांचवें स्थान पर रहा। वह टोक्यो ओलंपिक में भी स्पेन के कोच रहे जबकि पेरिस ओलंपिक 2024 में फ्रांस के मुख्य कोच थे।

स्पेन के कोच रहते उन्होंने टीम को 2019 यूरोपीय चैंपियनशिप में रजत पदक दिलाया। सोयेज के कोच रहते फ्रांस की अंडर 18 टीम 2025 यूरोपीय चैम्पियनशिप में रजत पदक जीती थी। वह 2021 से 2024 तक फ्रेंच हॉकी महासंघ के हाई परफॉर्मेंस निदेशक रहे। उन्होंने तीन ओलंपिक (2016, 2020, 2024) के अलावा दो विश्व कप (2018, 2023) में कोच की भूमिका निभाई। इसके अलावा छह यूरोपीय चैम्पियनशिप (2013, 2015, 2017, 2019, 2021, 2023) में भी कोच रहे। हाई परफार्मेंस सिस्टम, खिलाड़ियों के विकास और पेनल्टी कॉर्नर रणनीति के लिये मशहूर सोयेज ने लगातार ऐसी टीमें तैयार की हैं जिनमें सभी स्तरों पर सुदृढ़ रणनीतिक संरचना और प्रतिस्पर्धी निरंतरता मौजूद रही है। उनकी नियुक्ति का स्वागत करते हुए हॉकी

इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, हम हॉकी इंडिया परिवार में सोयेज का स्वागत करते हैं। उनके पास अंतरराष्ट्रीय स्तर का शानदार अनुभव है और उनका अनुभव तथा कौशल भारतीय हॉकी को लाभान्वित करेगा चूंकि हम 2036 ओलंपिक का दीर्घकालिन विजन लेकर चल रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारा ध्यान न केवल तत्काल परिणामों पर नहीं है, बल्कि एक प्रतिभाओं का एक गहरा पूल और एक ऐसी कोचिंग संरचना तैयार करने पर भी है, जो सब–जूनियर से लेकर सीनियर स्तर तक एक समान बनी रहे। सभी स्तरों पर हर राष्ट्रीय शिविर में अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ भारतीय कोचों को शामिल करके, हम कोचिंग के दर्शन, खिलाड़ियों के विकास और रणनीतिक समझ में निरंतरता सुनिश्चित कर रहे हैं।

नाकामी वापसी का रास्ता दिखाती है, शतक के बाद विराट कोहली का दिल जीतने वाला बयान

रायपुर,एजेंसी। लगातार दो मैचों में शून्य पर आउट होने के बाद विराट कोहली पर सवाल उठने लगे थे, लेकिन रायपुर में उन्होंने बल्ले से जवाब दिया। केकेआर के खिलाफ विराट ने नाबाद शतक लगाकर टीम को शानदार जीत दिलाई। इस जीत के साथ आरसीबी अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई। विराट ने आईपीएल का रिकॉर्ड नौवां शतक लगाया और एमएस धोनी और रोहित शर्मा को पीछे छोड़कर 279 मैचों के साथ आईपीएल में सबसे ज्यादा मुकाबले खेलने वाले खिलाड़ी भी बन गए। मैच के बाद विराट ने खुलकर अपनी भावनाएं साझा कीं। उन्होंने कहा, पिछले दो मैचों में मैं ज्यादा रन नहीं बना पाया था। यह बात मुझे अंदर ही अंदर खा रही थी, क्योंकि मुझे पता है कि मैं अच्छा खेल सकता हूं और गेंद को अच्छी तरह हिट कर रहा हूं। उन्होंने आगे कहा, श्लेकिन जब आप अपनी पारी को आगे नहीं बढ़ा पाते और टीम पर असर नहीं डाल पाते, तो यह परेशान करता है। इतने वर्षों से मेरा लक्ष्य यही रहा है कि खुद को बेहतर बनाऊं और टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूं।

विराट ने शतक लगाने से ठीक पहले यानी 98 के निजी स्कोर पर मैदान पर डांस किया था। उन्होंने कार्तिक त्यागी के 18वें ओवर में छक्का लगाकर जश्न मनाया था और खुद का आत्मविश्वास इस अंदाज में बढ़ाया था। इतना ही नहीं, उन्होंने दो डक के बाद जब इस मैच में अपना पहला रन बनाया था तो खुशी भी जाहिर की थी। कोहली ने कहा, दो मैच अगर आपके मुताबिक नहीं जाते तो थोड़ी घबराहट होती है, लेकिन वही आपकी मदद भी करती है। मेहनत बहुत लगती है, मगर इससे आपका खेल ऊपर जाता है। वे असफलताएं बहुत जरूरी होती हैं, क्योंकि वही आपको वापसी की जगह देती हैं। उनका यह बयान बताता है कि बड़े खिलाड़ी हार से टूटते नहीं, बल्कि उससे सीखकर और मजबूत बनते हैं। विराट ने दबाव को लेकर भी बड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा, लोग कहते हैं दबाव एक विशेषाधिकार है, क्योंकि यह आपको विनम्र बनाए रखता है। अच्छा दबाव हमेशा आपके खेल को बेहतर करता है। उन्होंने माना कि शतक के बाद ज्यादा जश्न नहीं मनाया, क्योंकि टीम के लिए अंक ज्यादा महत्वपूर्ण थे। दबाव आपको विनम्र बनाए रखता है, आपको फोकस में रखता है और आपको फिर से अभ्यास में कड़ी मेहनत करने के लिए मजबूर करता है। आप चीजों को हल्के में नहीं ले सकते। पेट में घबराहट महसूस होना, अच्छा दबाव हमेशा आपके खेल को बेहतर बनाने में मदद करता है। इसलिए मैं नेट्स में ज्यादा मेहनत कर रहा था, ट्रेनिंग और कड़ी कर रहा था। कोहली ने कहा, श्मुझे बल्लेबाजी से प्यार है, यही मेरी सबसे गहरी भावना है। इस स्तर पर खेलना सम्मान की बात है। मैं मैदान पर अपना दिल और जान लगा देता हूं, क्योंकि एक दिन यह सब खत्म हो जाएगा। उन्होंने आगे कहा, श्खेल आपको इंसान के रूप में बहुत कुछ सिखाता है। दबाव में प्रदर्शन करने से आपका चरित्र बनता है। इतने वर्षों बाद भी बल्ले के बीच में गेंद लगने की खुशी आज भी वैसी ही है। आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने कहा, बहुत अच्छा लग रहा है। टीम के हर खिलाड़ी ने अलग–अलग समय पर योगदान दिया है। हम एक समय में एक मैच पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, 10 ओवर के बाद जिस तरह हमने उनकी पारी पर नियंत्रण किया और उन्हें 192 पर रोका, वह हमारे लिए अच्छा संकेत है। विराट कोहली की यह पारी सिर्फ शतक नहीं थी, बल्कि मानसिक मजबूती की मिसाल थी। लगातार दो नाकामियों के बाद जिस अंदाज में उन्होंने वापसी की, उसने फिर साबित कर दिया कि महान खिलाड़ी दबाव में ही सबसे ज्यादा चमकते हैं।

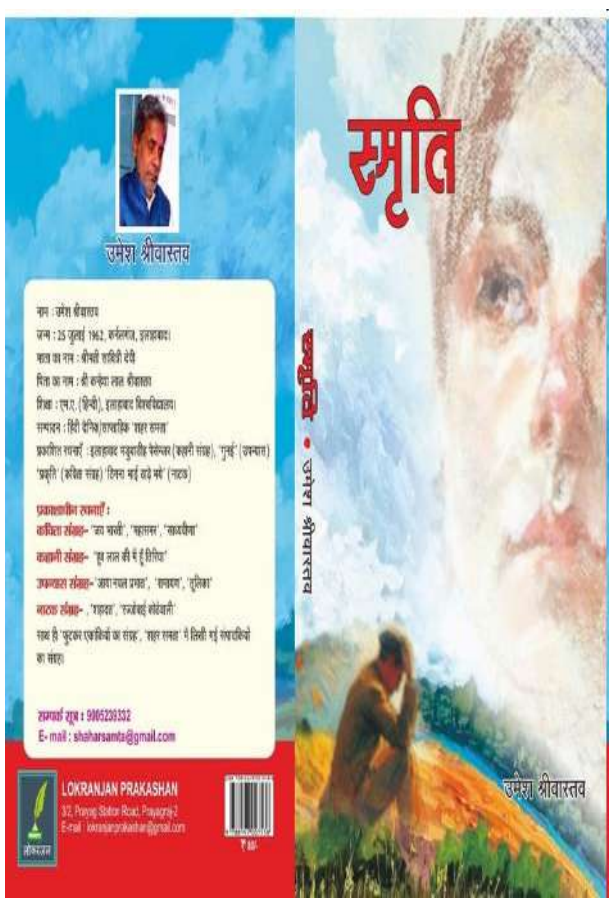

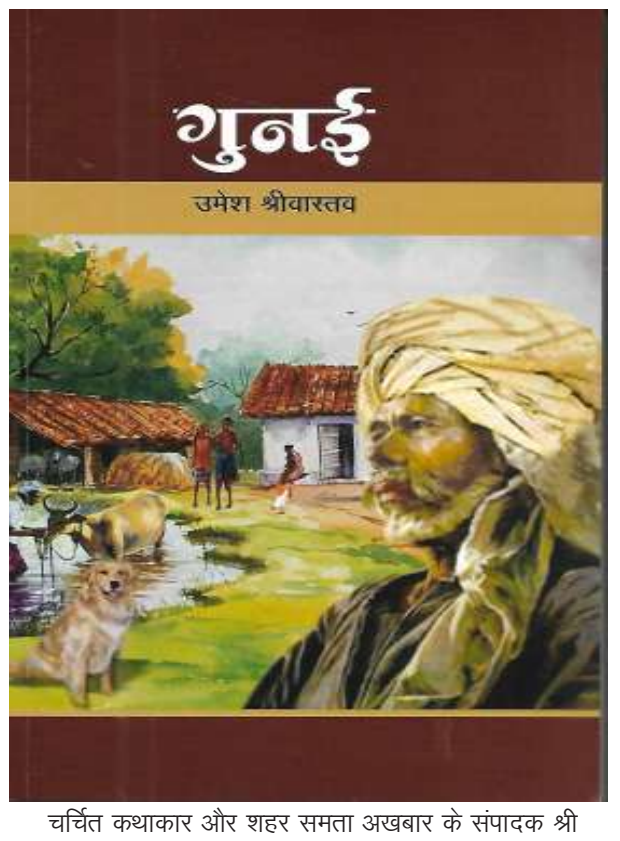

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

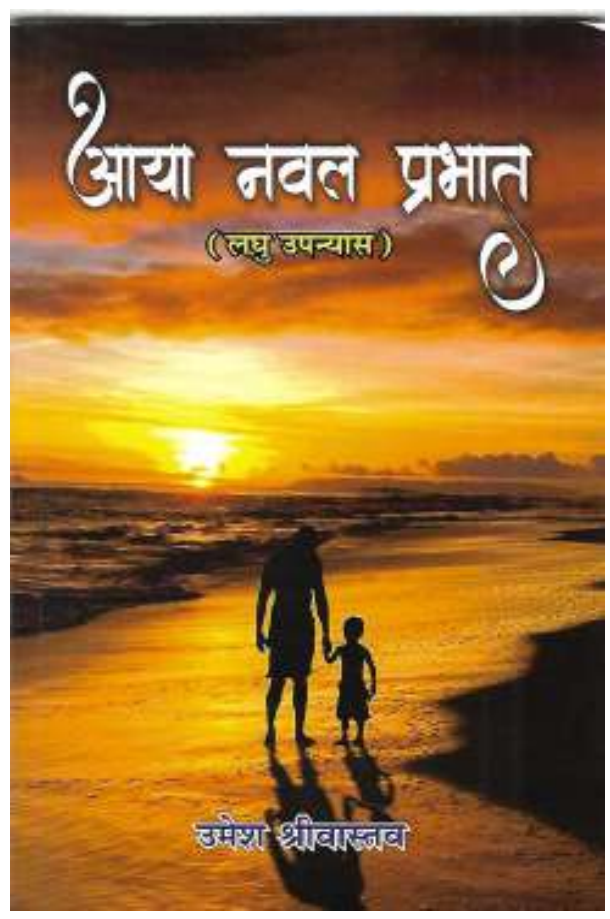

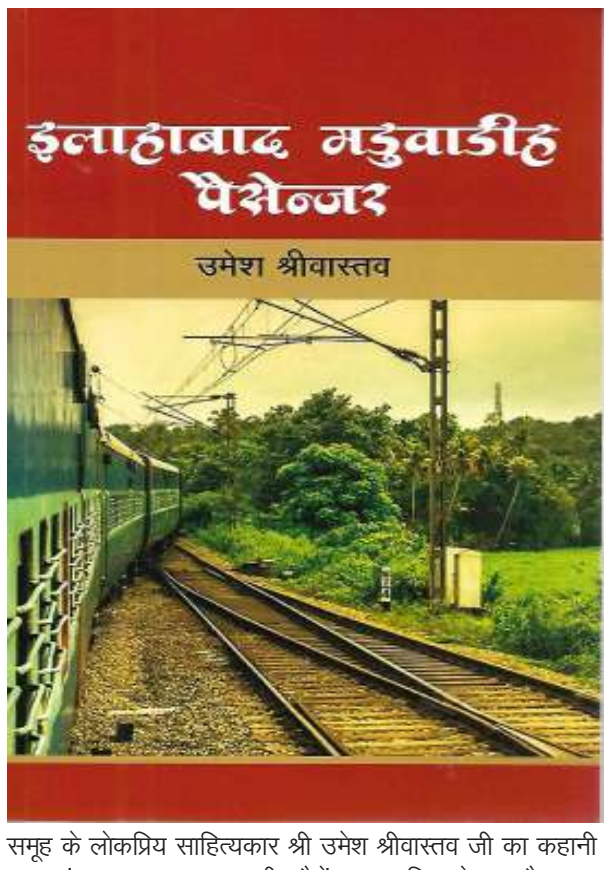

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

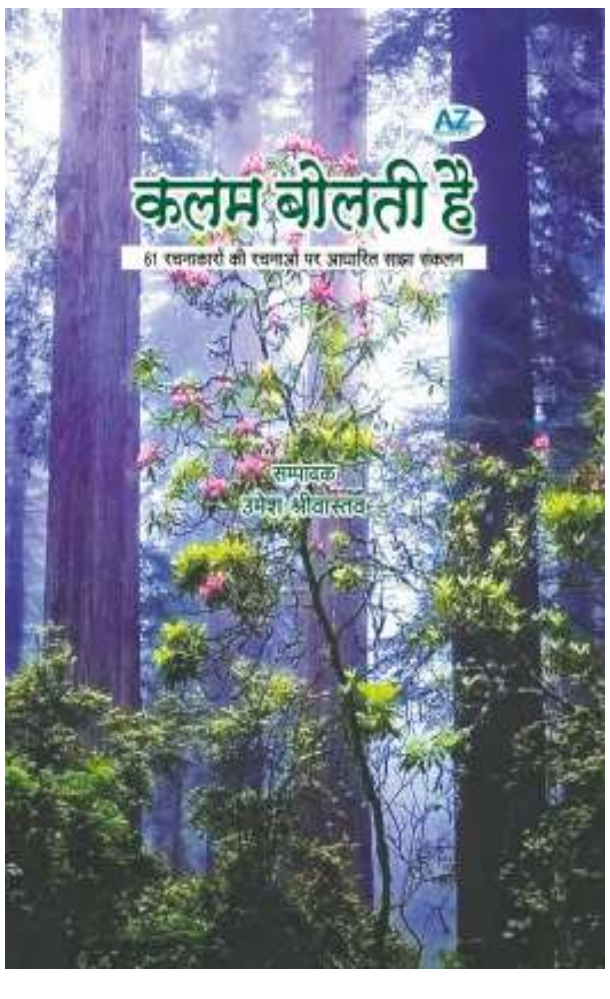

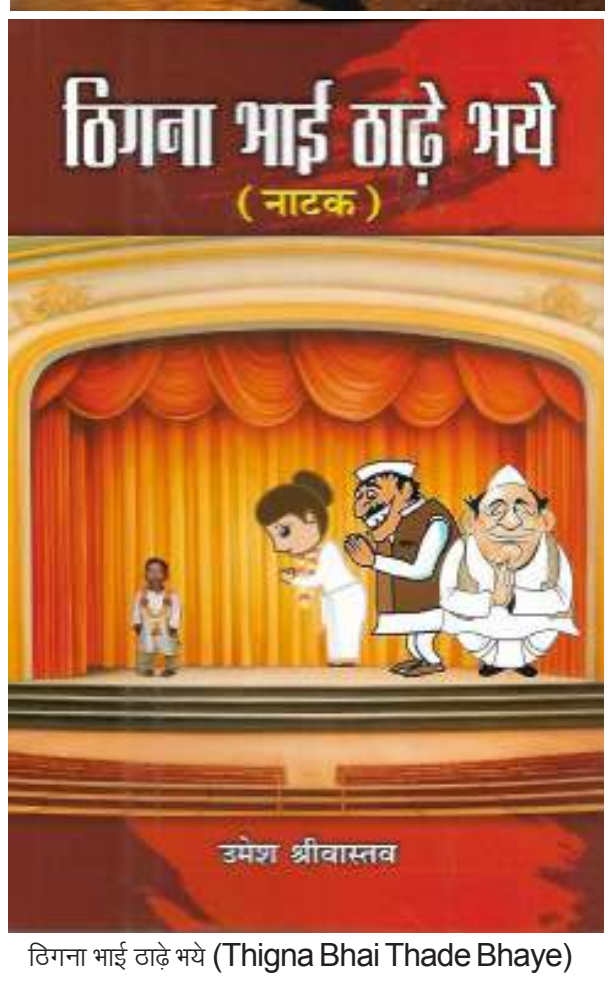

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

ताइवान पर चीन की अमेरिका को सख्त चेतावनी, शी जिनपिंग बोले- गलत कदम से छिड़ सकता है संघर्ष

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच ताइवान को लेकर तनाव एक बार फिर खुलकर सामने आया है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को साफ चेतावनी दी है कि अगर ताइवान के मुद्दे को सही तरीके से नहीं संभाला गया, तो दोनों देशों के बीच टकराव और यहां तक कि संघर्ष की स्थिति पैदा हो सकती है। दोनों के बीच बंद कमरे में हुई बातचीत

चीनी सरकारी मीडिया शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों नेताओं के बीच बंद कमरे में हुई बैठक के दौरान शी जिनपिंग ने कहा कि ताइवान का मुद्दा चीन–अमेरिका संबंधों की सबसे संवेदनशील और अहम कड़ी है। उन्होंने कहा कि अगर इस मुद्दे को सावधानी और समझदारी से संभाला गया, तो दोनों देशों के रिश्तों में स्थिरता बनी रह सकती है। लेकिन अगर इसमें दखल बढ़ा या गलत कदम उठाए गए, तो इससे पूरे द्विपक्षीय संबंध खतरे में पड़ सकते हैं। जिनपिंग ने क्या कहा? शी जिनपिंग ने कहा कि अगर ताइवान के सवाल को ठीक से संभाला गया, तो चीन और अमेरिका के संबंध स्थिर रहेंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ तो टकराव और संघर्ष की आशंका बढ़ सकती है। जब पत्रकारों ने शी जिनपिंग के साथ हुई बातचीत के बारे में पूछा, तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि शानदार। लेकिन उन्होंने बस इतना ही कहा। उनसे यह भी पूछा गया कि क्या उन्होंने ताइवान के बारे में चर्चा की थी। ट्रम्प ने शी जिनपिंग के साथ स्वर्ग मंदिर पहुंचने के बाद तस्वीरें खिंचवाते समय कोई जवाब नहीं दिया। बता दें कि, ट्रंप के चीन पहुंचने से पहले अमेरिका में स्थित चीन के दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान जारी कर अमेरिका को चेतावनी दी थी। चीन ने कहा कि अमेरिका–चीन संबंधों में श्चार लाल रेखाएंश हैं, जिन्हें चुनौती नहीं दी जानी चाहिए। चीन ने जिन चार मुद्दों को सबसे संवेदनशील बताया, उनमें ताइवान का सवाल, लोकतंत्र और मानवाधिकार, दोनों देशों की राजनीतिक व्यवस्था और चीन के विकास का अधिकार शामिल हैं। चीन ने साफ संकेत दिया कि इन मुद्दों पर किसी भी तरह का दबाव या हस्तक्षेप स्वीकार नहीं किया जाएगा।

क्यों अहम है ताइवान का मुद्दा? ताइवान लंबे समय से वॉशिंगटन और बीजिंग के बीच सबसे बड़ा विवाद बना हुआ है। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि अमेरिका ताइवान को सैन्य और राजनीतिक समर्थन देता रहा है। यही वजह है कि यह मुद्दा दोनों महाशक्तियों के बीच तनाव का प्रमुख कारण बना हुआ है। 2017 के बाद ट्रंप का चीन दौरा इस अहम चेतावनी के बीच ट्रंप और शी जिनपिंग की मुलाकात बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में हुई। दोनों नेताओं के बीच यह बैठक ऐसे समय हुई है जब अमेरिका और चीन के रिश्तों में व्यापार, तकनीक, टैरिफ, इंडो–पैसिफिक रणनीति और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों को लेकर पहले से तनाव बना हुआ है। शी जिनपिंग ने ट्रंप का औपचारिक स्वागत किया। दोनों नेताओं ने गर्मजोशी से हाथ मिलाया, जिसके बाद ट्रंप ने अपने प्रतिनिधिमंडल का परिचय कराया। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ भी इस बैठक में मौजूद रहे। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की ऑनर गार्ड बटालियन ने ट्रंप को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके बाद दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय वार्ता शुरू हुई, जिसमें आर्थिक सहयोग, वैश्विक सप्लाई चेन, टैरिफ और भू–राजनीतिक हालात जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। यह ट्रंप का 2017 के बाद पहला चीन दौरा है। इससे पहले दोनों नेता पिछले साल बुसान में आमने–सामने मिले थे। विशेषज्ञों का मानना है कि यह मुलाकात आने वाले समय में अमेरिका–चीन संबंधों की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकती है।

संक्षिप्त

भारत-ऑस्ट्रेलिया की वायु सेनाओं की बैठक: एयरोस्पेस सहयोग पर चर्चा, डफ-28 घोस्ट बैट लड़ाकू विमान भी दिखा

कैनबरा (ऑस्ट्रेलिया), एजेंसी। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) और रॉयल ऑस्ट्रेलियन एयर फोर्स ने श्भविष्य के एयरोस्पेस

सहयोगश पर चर्चा की है। यह चर्चा हिंद–प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते रक्षा संबंधों के बीच हुई है, जहां फोटो सेशन के दौरान बोइंग एमक्यू–28 घोस्ट बैट लड़ाकू विमान भी पीछे दिखाई दिया। दोनों वायु सेनाओं के बीच हाल ही में 12वीं एयर स्टाफ वार्ता कैनबरा में हुई। इस वार्ता का खास फोकस अभियान के समय तालमेल, एक–दूसरे की प्रणाली के साथ मिलकर काम करने की क्षमता (इंटरऑपरेबिलिटी), प्रशिक्षण, संयुक्त अभ्यास और भविष्य के एयरोस्पेस सहयोग पर था। भारतीय वायु सेना ने बयान में क्या कहा? आईएएफ के बयान में कहा गया कि 12वीं एयर स्टाफ वार्ता में दोनों वायु सेनाओं ने ऑपरेशनल तालमेल बढ़ाने, संयुक्त अभ्यास, एयर–टू–एयर रिफ्यूलिंग समझौते, प्रशिक्षण और भविष्य के एयरोस्पेस सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की। दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय स्थिरता और क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत करने और भविष्य के लिए तैयार हिंद–प्रशांत साझेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्रालय ने बताया कि वायु सेना के उप प्रमुख एयर वाइस मार्शल स्टीवन पेस ने कैनबरा और ब्रिस्बेन में भारतीय वायु सेना के एयर वाइस मार्शल संजीव तालियान की मेजबानी की। इस दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग और पेशेवर वायु शक्ति संवाद को आगे बढ़ाया गया।

ईरान ने UAE को धमकाया: अराघची बोले- इस्राइल से साठगांठ पड़ेगी महंगी, अरब ने नेतन्याहू के दावों को नकारा

एएनआई, तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने इस्राइल के साथ किसी भी प्रकार की गुप्त साठगांठ के खिलाफ सख्त चेतावनी जारी की है। यह बयान इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के उस दावे के बाद आया है, जिसमें उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात की गुप्त यात्रा की बात कही थी। ईरान ने कहा कि इस्राइल के साथ मिलकर साजिश रचने वालों को इसका अंजाम भुगतना होगा। नेतन्याहू का दावा और यूएई का खंडन इस्राइली प्रधानमंत्री कार्यालय ने बुधवार को एक बयान जारी किया। इसमें दावा किया गया कि श्ऑपरेशन रोरिंग लायनश के दौरान पीएम नेतन्याहू ने यूएई की गुप्त यात्रा की थी। इस दौरान उन्होंने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की। इस्राइल ने इसे दोनों देशों के रिश्तों में एक श्ऐतिहासिक सफलताश करार दिया। हालांकि, यूएई के विदेश मंत्रालय ने इन खबरों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। यूएई ने कहा कि इस्राइली पीएम की कोई यात्रा नहीं हुई और न ही किसी सैन्य प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया गया। ईरान की सुरक्षा सेवाओं ने पहले ही बता दिया था– अराघची विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्श पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि नेतन्याहू के संदेश ने उस सच को सार्वजनिक कर दिया है, जिसकी जानकारी ईरानी सुरक्षा सेवाएं पहले ही नेतृत्व को दे चुकी थीं। अराघची ने चेतावनी दी कि ईरान के महान लोगों के साथ दुश्मनी करना एक मूर्खतापूर्ण जुआ है। उन्होंने कहा कि विभाजन पैदा करने के लिए इस्राइल के साथ सहयोग करना एक अक्षम्य अपराध है और ऐसे तत्वों की जवाबदेही तय की जाएगी।

उषा को देखते ही मोहित हो गए थे वेंस: शादी के लिए ले लिया था बड़ा संकल्प, अमेरिकी उपराष्ट्रपति की प्रेम कहानी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस कॉलेज के दौरान हुई पहली मुलाकात में ही उषा के प्रति काफी मोहित हो गए थे। यहां तक कि उन्होंने अपने दोस्तों से कह दिया था कि या तो वह इस लड़की से शादी करेंगे अथवा जीवनभर अविवाहित रहेंगे। वेंस ने खुद यह खुलासा अपनी नई किताब में किया है। वेंस ने खुद किया खुलासा अपने संस्मरण कम्यूनियन रू फाइंडिंग माय वे बैक टू फेद में वेंस ने लिखा है कि वह उषा की सुंदरता, बुद्धिमत्ता और अलग अंदाज से आकर्षित हुए थे जो बाद में उनकी पत्नी बनीं। इस संस्मरण के कुछ अंश यूएसए टुडे ने प्रकाशित किए हैं। येल लॉ स्कूल में उषा बाला चिलुकुरी से मिलने वाले वेंस ने कहा कि वह पहली ऐसी व्यक्ति थीं जिनके लिए उन्होंने सच्चा प्रेम महसूस किया। यह पुस्तक अगले महीने प्रकाशित होगी। वेंस ने लिखा, जब मैं पहली बार उषा से मिला तो उनकी कई बातें मुझे असामान्य लगीं। उनमें से एक यह थी कि वह बेहद प्रतिस्पध र्ी थीं लेकिन मुझे यह आकर्षक से ज्यादा अजीब लगा। नास्तिक से कैथोलिक बने वेंस अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा कि वह ईसाई धर्म को मानने वाले व्यक्ति से नास्तिक बने और फिर कैथोलिक धर्म के प्रति रुझान बढ़ा।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

900 करोड़ की दौलत, राष्ट्रपति ट्रंप के बेहद करीबी: कौन हैं केविन वार्श, जो बने फेडरल रिजर्व के नए अध्यक्ष ?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की तिजोरी की चाबी अब एक ऐसे शख्स के हाथ में है, जिसके पास न सिर्फ रसूख है, बल्कि बेहिसाब दौलत भी। अमेरिकी सीनेट ने केविन वार्श के नाम पर मुहर लगाकर उन्हें दुनिया के सबसे ताकतवर केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व का नया अध्यक्ष चुन लिया है। 56 साल के वार्श सिर्फ एक बैंकर नहीं, बल्कि वॉल स्ट्रीट के वो श्गोल्डन बॉयश हैं जिनकी जड़ें सत्ता के गलियारों से लेकर अरबों डॉलर के बिजनेस साम्राज्यों तक फैली हैं। वे महज 35 साल की उम्र में फेड के सबसे युवा गवर्नर बने थे। उनकी नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब वैश्विक अर्थव्यवस्था महंगाई और युद्ध के साये में है। कौन हैं वॉल स्ट्रीट का श्गोल्डन बॉयश केविन वार्श? केविन वार्श का सफर किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं है। न्यूयॉर्क के अल्बानी में जन्मे वार्श ने स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी और हार्वर्ड लॉ स्कूल जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं से शिक्षा प्राप्त की। वे महज 35 साल की उम्र में फेडरल रिजर्व के गवर्नर बन गए थे, जो अमेरिकी इतिहास में एक रिकॉर्ड है। लेकिन उनकी पहचान सिर्फ एक बैंकर की नहीं, बल्कि एक ऐसे रणनीतिकार की है जिसके तार राजनीति और बेतहाशा दौलत, दोनों से जुड़े हैं। केविन वार्श की नियुक्ति के पीछे तीन

बड़े पहलू हैं, जो उन्हें विवादों के केंद्र में रखते हैं। 900 करोड़ रुपये से अधिक की निजी संपत्ति

वार्श के पास लगभग 100 मिलियन डॉलर करीब 900 करोड़ रुपये से अधिक की निजी संपत्ति है। उनके निवेश एलन मस्क की स्पेसएक्स, प्रेडिक्शन मार्केट प्लेटफॉर्म पॉलीमार्केट और कई एआई स्टार्टअप्स में हैं। सीनेट में उन पर आरोप लगे कि इतने बड़े निवेशों के साथ वे निष्पक्ष फैसले कैसे लेंगे? हालांकि उन्होंने वादा किया है कि वे पद संभालने के 90 दिनों के भीतर अपने सारे शेयर बेच देंगे, लेकिन विपक्ष उन्हें वॉल स्ट्रीट का दलाल कहकर निशाना बनाता रहा है। अरबपति पत्नी और ट्रंप से कनेक्शन

वार्श की शादी जेन लॉडर से हुई है, जो मशहूर कॉस्मेटिक्स कंपनी एस्टी लॉडर की वारिस हैं। जेन की अपनी निजी संपत्ति 18,000 करोड़ रुपये से ज्यादा है।जेन के पिता रोनाल्ड लॉडर, डोनाल्ड ट्रंप के पुराने और करीबी दोस्तों में गिने जाते हैं। यही कारण है कि वार्श की नियुक्ति को योग्यता से ज्यादा पारिवारिक रसूख और ट्रंप की निजी पसंद के तौर पर देखा जा रहा है। वार्श ने 2011 में फेड के गवर्नर पद से इस्तीफा दे दिया था क्योंकि वे तत्कालीन नीतियों के सख्त खिलाफ थे। अब वे सत्ता परिवर्तन के वादे के साथ लौटे हैं।विपक्षी सीनेटर एलिजाबेथ वॉरेन ने उन्हें ट्रंप का श्सॉक पपेटश यानी कठपुतली कहा है। आरोप है कि ट्रंप ने उन्हें इसलिए चुना ताकि वे राष्ट्रपति के इशारे पर ब्याज दरें कम कर सकें, भले ही इससे महंगाई बढ़ जाए। ट्रंप ने उन्हें क्यों चुना? अमेरिकी राष्ट्रपि डोनाल्ड ट्रंप और निवर्तमान फेड प्रमुख जेरोम पॉवेल के बीच तल्खी जगजाहिर है। ट्रंप ने वार्श को चुनकर यह स्पष्ट कर दिया है कि वे फेडरल रिजर्व में श्सत्ता परिवर्तनश चाहते हैं। ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदरू ट्रंप खुलेआम कह चुके हैं कि उन्हें ऐसा फेड अध यक्ष चाहिए जो शेयर बाजार चढ़ने पर ब्याज दरें कम करे। व्हाइट हाउस के आर्थिक सलाहकार केविन हैसेट के अनुसार, बाजार को उम्मीद है कि वार्श समय के साथ दरों में कटौती करेंगे। वफादारी का सवालरू विपक्षी डेमोक्रेट्स ने वार्श की आलोचना करते हुए उन्हें ट्रंप का कठपुतली तक कह दिया है। हालांकि, वार्श ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि ट्रंप ने उन पर दरों को लेकर कभी दबाव नहीं बनाया और वे एक स्वतंत्र अध यक्ष के रूप में काम करेंगे। केविन वार्श के लिए यह सफर आसान नहीं होने वाला है। उनके सामने दो मुख्य चुनौतियां हैं।

महंगाई की माररू अमेरिका में महंगाई का लक्ष्य दो फीसदी है, लेकिन पिछले पांच वर्षों से यह इसके ऊपर बनी हुई है। ईरान युद्ध के कारण गैस की कीमतों में 50: का उछाल आया है, जिससे अप्रैल में महंगाई 3. 8: तक पहुंच गई। वार्श को तय करना होगा कि वे दरें घटाकर ट्रंप को खुश करेंगे या बढ़ाकर महंगाई रोकेंगे। शक्ति के दो केंद्ररू निवर्तमान अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने पद छोड़ने के बाद भी फेड बोर्ड में बने रहने का फैसला किया है। यह 1948 के बाद पहली बार होगा कि कोई पूर्व अध्यक्ष बोर्ड में रहकर नए अध यक्ष के साथ काम करेगा। इससे फेड के भीतर पावर स्ट्रगल की स्थिति बन सकती है।

शांति की उम्मीद धराशायी: रूस ने यूक्रेन पर दागे 800 ड्रोन, कई क्षेत्रों में मची तबाही,छह लोगों की मौत

पीटीआई, कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध में बुधवार का दिन बेहद खौफनाक रहा। एक तरफ मॉस्को में शांति की चर्चाएं हो रही हैं, तो दूसरी तरफ रूस ने यूक्रेन पर करीब 800 ड्रोन्स से हमला बोल दिया। इस भीषण हमले में अब

तक छह लोगों की मौत हो चुकी है। दर्जनों लोग घायल हुए हैं, जिनमें मासूम बच्चे भी शामिल हैं। राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने इसे युद्ध के सबसे बड़े हमलों में से एक बताया है। हवाई रक्षा प्रणाली को ठप करने की रूसी साजिश

यह हमला बुधवार सुबह शुरू हुआ जो कई घंटों तक जारी रहा। रूसी ड्रोन ने राजधानी कीव समेत पश्चिमी शहर ल्वीव और ओडेसा बंदरगाह को निशाना बनाया। जेलेंस्की के मुताबिक, रूस का स्पष्ट लक्ष्य यूक्रेन की एयर डिफेंस प्रणाली को खत्म करना है। उन्होंने दावा किया कि ड्रोन हमलों के बाद अब रूस क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइलों से बड़ा हमला कर सकता है। शांति के दावों और हकीकत में बड़ा अंतर हैरानी की बात यह है कि यह हमला तब हुआ जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति पुतिन युद्ध खत्म होने के संकेत दे रहे हैं। ट्रंप ने चीन रवाना होने से पहले कहा था कि यूक्रेन युद्ध का अंत बहुत करीब है। वहीं, पुतिन ने भी पिछले सप्ताहांत अपने भाषण में आक्रमण खत्म होने की संभावना जताई थी। हालांकि, जमीनी हकीकत इन दावों के बिल्कुल विपरीत नजर आ रही है। रूस के भीतर भी यूक्रेन ने किया पलटवार युद्ध की स्थिति अब बदल रही है। यूक्रेन अब केवल बचाव नहीं कर रहा, बल्कि रूस के भीतर तक हमले कर रहा है। बुधवार को ही यूक्रेन ने रूसी सीमा के अंदर ड्रोन हमले किए। रूसी रक्षा मंत्रालय के अनुसार, उन्होंने क्रीमिया और आजोव सागर के ऊपर यूक्रेन के 286 ड्रोन्स को मार गिराया। श्इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉरश की रिपोर्ट बताती है कि रूस का वसंत अभियान विफल हो रहा है और उसे भारी जनहानि उठानी पड़ रही है। दुनिया का ध्यान भटकने से रूस को मिल रहा मौका जेलेंस्की ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को आगाह किया है कि यूक्रेन को अकेला न छोड़ें। उन्होंने कहा कि जब भी यूक्रेन की खबर सुर्खियों से गायब होती है, रूस और भी ज्यादा हिंसक हो जाता है। वर्तमान में दुनिया का ध्यान ईरान युद्ध पर केंद्रित है, जिसका फायदा रूस उठा रहा है। उन्होंने रोमानिया में नाटो देशों से अपील की कि रूस पर प्रतिबंधों और कूटनीतिक दबाव को और तेज किया जाए।

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना और लड़ाकों के बीच मुठभेड़, मेजर समेत पांच सैनिकों की मौत

कराची,, एजेंसी। बलूचिस्तान में पाकिस्तान सेना ने एक बड़े संयुक्त अभियान में सात लड़ाकों को मार गिराने का दावा किया है। हालांकि इस कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना के एक मेजर समेत पांच सैनिकों की भी मौत हो गई। यह जानकारी पाकिस्तान सेना

की मीडिया शाखा इंटर–सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (ISPR) ने बुधवार देर रात जारी बयान में दी। आईएसपीआर ने क्या जानकारी दी? आईएसपीआर के अनुसार, बलूचिस्तान के बरखान जिले के मार्कहम के नोशाम इलाके में पाकिस्तान सेना और बलूचिस्तान फ्रंटियर कॉर्प्स ने संयुक्त क्लीन–अप ऑपरेशन चलाया। खुफिया जानकारी के आधार पर शुरू किए गए इस अभियान के दौरान सुरक्षा बलों और लड़ाकों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई। सेना ने कहा– सात लड़ाके मारे गए सेना के बयान में कहा गया कि अभियान के दौरान सात लड़ाके मारे गए। हालांकि इस दौरान एक फील्ड ऑफिसर यानी मेजर समेत पांच सैनिकों की भी जान चली गई। मारे गए सैनिकों की पहचान फिलहाल सार्वजनिक नहीं की गई है। कार्रवाई के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके में तलाशी अभियान भी चलाया। इस दौरान लड़ाकों के कब्जे से हथियार, गोला–बारूद और विस्फोटक सामग्री बरामद किए जाने का दावा किया गया है। सेना ने कहा कि इलाके में बाकी लड़ाकों की तलाश के लिए अभियान अभी जारी है। पाकिस्तानी सैनिकों का बलूचिस्तान में बड़ा अभियान बलूचिस्तान में इस साल सुरक्षा बलों ने कई बड़े अभियान चलाए हैं। मार्च में हरनाई और बसीमा जिलों में हुए ऑपरेशन में 15 लड़ाकों के मारे जाने का दावा किया गया था, जबकि फरवरी में झोब जिले में 10 लड़ाके मारे गए थे। दरअसल, बलूचिस्तान लंबे समय से हिंसा और उग्रवाद से प्रभावित रहा है। यहां सक्रिय सशस्त्र समूह अक्सर सुरक्षा बलों और सरकारी ढांचे को निशाना बनाते रहे हैं।

चीन गए ट्रंप, वेंस को याद आई 36 साल पुरानी फिल्म

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक दिलचस्प टिप्पणी करते हुए कहा कि जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप विदेश दौरे पर होते हैं, तो उन्हें व्हाइट हाउस में अकेलापन महसूस होता है, ठीक वैसे ही जैसे फिल्म श्होम अलोनश के किरदार को हुआ था। ट्रंप–वेंस एक साथ नहीं कर सकते यात्रा दरअसल, राष्ट्रपति ट्रंप इस समय चीन के आधिकारिक दौरे पर हैं और शनिवार को अमेरिका लौटेंगे।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।